संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-314 रविवार,15 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

कोलकाता रेप-मर्डर:15 डॉक्टर्स सीएम आवास मिलने पहुंचे

» मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग पर अड़े,ममता बोलीं-इस पर कोई बात नहीं हुई थी

कोलकाता,14 सितंबर 2024(ए)। कोलकाता के आरजी कर कॉलेज और हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले पर प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर आज शाम 6:30 बजे सीएम आवास पहुंचे। वे मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग पर अे हुए हैं। इस पर सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि चर्चा की बातें रिकॉर्ड की जाएंगी, लेकिन लाइव स्ट्रीमिंग नहीं की जा सकती। क्योंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

प्रदर्शन करने वाले डॉक्टरों को ममता लगातार समझाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आपकी सभी मांगें मानना संभव नहीं है।

सीएम और डॉक्टरों के बीच पांच घंटे में यह दूसरी मुलाकात है। शनिवार की दोपहर 1:30 बजे के करीब ममता स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से खुद मिलने पहुंचीं थी। डॉक्टर्स 10 सितंबर से यहां प्रदर्शन पर बैठे हैं। ममता ने डॉक्टरों से कहा, मेरा पद नहीं, लोगों का पद बड़ा है। मैं मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि आपकी दीदी बनकर आपसे मिलने आई हूं।ममता ने कहा- आप काम पर लौटिए, मैं मांगों पर विचार करूंगी। सीबीआई से कहूंगी कि दोषियों को फांसी दी जाए। मैं आपके प्रदर्शन को सलाम करती हूं। आपके साथ अन्याय नहीं होने दूंगी।

ममता ने डॉक्टरों से कहा- आपके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी

ममता ने आगे कहा कि यह मेरी तरफ से बातचीत की आखिरी कोशिश है। आपके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी, क्योंकि मैं लोकतांत्रिक आंदोलन को दबाने में विश्वास नहीं करती। ममता ने राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों की रोगी कल्याण समितियों को भंग करने की भी घोषणा की।ममता अब तक तीन बार डॉक्टरों से बैठकर बातचीत की पहल कर चुकी हैं। डॉक्टरों ने उनके तीनों प्रस्तावों को खारिज कर दिया था। उनकी 5 मांगें हैं। उन्होंने सरकार से बातचीत के लिए 4 शर्तें भी रखी हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टर्स 36 दिनों से हड़ताल पर हैं।

ट्रेनी डॉक्टर की मां बोलीं-सीएम ममता डॉक्टर्स की मांगों को मानें...

ट्रेनी डॉक्टर की मां ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री और आंदोलनकारी डॉक्टरों के बीच बातचीत से नतीजे निकलेंगे। उन्होंने कहा, केवल यह कहने के बजाय कि जो भी दोषी पाया जाएगा उसे दंडित किया जाएगा, सिर्फ यह कहने से बात नहीं बनेगी। ममता को डॉक्टरों की मांगों को पूरा करना होगा।

देश की संक्षिप्त खबरें

हिंदी दिवस पर पीएम मोदी ने दी देशवासियों को शुभकामनाएं

नयी दिल्ली,14 सितंबर 2024(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हिंदी दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने एक्स पर एक प्यारी सी वीडियो संदेश जारी किया है और देशवासियों को ढेरों शुभकामनाएं दीं। वीडियो में पीएम मोदी कहते सुनाई दिए, 'भाषा अभिव्यक्ति का साधन होती है। जैसे जीवन में चेतना होती है, वैसे ही भाषा में भी चेतना होती है। मैं कभी सोचता हूं कि अगर मुझे हिंदी भाषा बोलना नहीं आता, समझना नहीं आता तो मैं लोगों तक कैसे पहुंचता। मुझे व्यक्तिगत रूप से भी हिंदी भाषा की ताकत का अंदाजा है।

एसएन बनर्जी रोड पर बैग में जोरदार धमाका

कोलकाता,14 सितंबर 2024(ए)। कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड पर शनिवार दोपहर में अचानक धमाका हुआ, जिसकी चपेट में आकर एक महिला घायल हो गई। धमाके के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद तुरंत बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

श्री विजयपुरम के नाम से जानी जाएगी अंडमान-निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर

पोर्ट ब्लेयर,14 सितंबर 2024 (ए)। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर आज से 'श्री विजयपुरम' रखने की घोषणा की गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस निर्णय की जानकारी दी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के औपनिवेशिक प्रतीकों से भारत को मुक्त करने के संकल्प का हिस्सा है। अमित शाह ने ट्वीट करते हुए कहा, पोर्ट ब्लेयर का नाम एक औपनिवेशिक धरोहर का प्रतीक था, जबकि 'श्री विजयपुरम' नाम हमारे स्वतंत्रता संग्राम में प्राप्त विजय और अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह के अद्वितीय योगदान को दर्शाता है।÷

उन्होंने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और इतिहास में विशेष स्थान है। यह द्वीप, जो कभी चोल साम्राज्य के नौसेना अड्डे के रूप में कार्य करता था, अब भारत की सुरक्षा और विकास के लिए महत्वपूर्ण आधार के रूप में उभर रहा है।

यह वही स्थल है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्र भारत में पहली बार तिरंगा फहराया था। यहां की सेलुलर जेल में वीर सावरकर समेत अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कई साल सजा की अवधि बिताई थी।

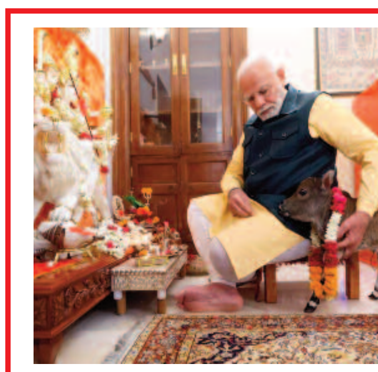

प्रधानमंत्री आवास में एक नए सदस्य का हुआ शुभ आगमन

नयी दिल्ली,14 सितंबर 2024(ए)। प्रधानमंत्री आवास में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। एक्स पर वीडियो पोस्ट कर मोदी ने लिखा, हमारे शास्त्रों में कहा गया हैः-गावः सर्वसुख प्रदाः। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका नाम दीपज्योति रखा है। दरअसल पीएम मोदी ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह गाय के बछड़े के साथ दिखाई दे रहे हैं। अपने पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका नाम दीपज्योति रखा है।

कर्नाटक में बीजेपी विधायक गिरफ्तार

» रिश्वत लेने और ठेकेदार को धमकी देने का लगा है आरोप

बेंगलुरु,14 सितंबर 2024 (ए)। कर्नाटक के बेंगलुरु के राज राजेश्वरी नगर के बीजेपी विधायक मुनिरत्ना को पुलिस ने कोलार जिले से अरेस्ट किया है। बेंगलुरु पुलिस ने कोलार पुलिस की मदद से उन्हें गिरफ्तार किया। कल बेंगलुरु महानगर निगम के 2 कॉन्ट्रेक्टर्स ने उनके खिलाफ जान से मारने की धमकी देने, रिश्वत लेने और जाति सूचक गालियां देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में केस दर्ज कराया था। इन ठेकेदारों ने मुनिरत्ना का एक कथित आडियो भी जारी किया जिसमें वो गाली गलौच करते हुए और धमकी देते हुए सुनाई पड़ रहे हैं।

बीजेपी विधायक ने कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया

जानकारी के अनुसार,बीजेपी विधायक के खिलाफ बेंगलुरु पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज की। मामला दर्ज होने के बाद मुनिरत्ना चुपचाप बेंगलुरु से कोलार चले गए। पुलिस की टीम ने उन्हें बेंगलुरु के अलग अलग जगहों पर ढूंढा लेकिन वे नहीं मिले। पुलिस के मुताबिक आज शाम साढ़े 4 बजे उनका लोकेशन कोलार के मुलबागल में ट्रेस हुआ। वहां पर पुलिस की टीम पहुंची और मुनिरत्ना को अरेस्ट कर लिया गया उन्हें बेंगलुरु

लाकर आगे की पूछताछ होगी। हालांकि मुनिरत्ना ने इस कार्यवाई को राजनीतिक द्वेष से प्रेरित बताया और कहा कि वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

विधायक समेत चार लोगों पर दर्ज हुआ था केस

पुलिस ने मुनीरत्ना समेत चार व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज किया था। एफआईआर में बीजेपी विधायक मुनिरत्न, उनके सहयोगी वीजी कुमार, उनके सुरक्षा अधिकारी अभिषेक और एक अन्य आरोपी वसंत कुमार का नाम शामिल है। ठेकेदार चेल्वाराजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक ऑडियो क्लिप जारी किया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुनिरत्ना ने उन्हें रिश्वत के लिए परेशान किया था।

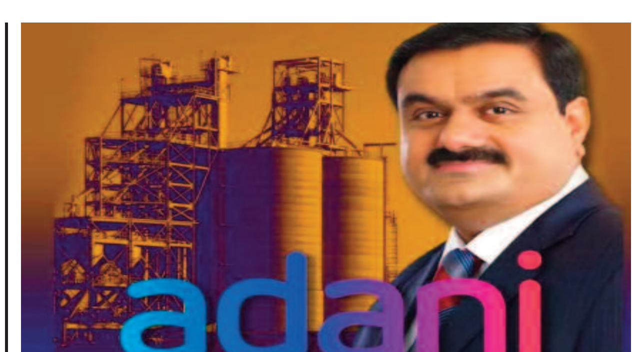

अदाणी ग्रूप को टाईम मैगजीन ने 2024 की बेस्ट कंपनियों में किया शामिल

नयी दिल्ली,14 सितंबर 2024(ए)। अमेरिका की प्रतिष्ठित टाईम मैगजीन ने अदाणी ग्रूप को 2024 की विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों की लिस्ट में शामिल किया है. यह लिस्ट एक अग्रणी ग्लोबल इंडस्ट्रियल रैंकिंग और स्टैटिस्टिक्स (सांख्यिकी) पोर्टल 'स्टेटिस्टा' के सहयोग से तैयार की गई है. अदाणी ग्रूप ने कहा कि यह सम्मान कर्मचारियों संतुष्टि, राजस्व वृद्धि और स्थिरता के प्रति अदाणी ग्रूप की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

अदाणी ग्रूप ने एक बयान में कहा, टाइम की ओर से मिला सम्मान अदाणी समूह की कड़ी मेहनत और सीमाओं से आगे बढ़ने की ललक, बिजनेस में उत्कृष्टता देने के लगातार कोशिशों की पुष्टि है।

अदाणी ग्रूप ने कहा कि टाईम की ये लिस्ट तीन प्रमुख आयामों के गहन विश्लेषण पर आधारित हैः-

1) **कर्मचारी संतुष्टि :-** 50 से अधिक देशों में करीब 1 लाख 70 हजार प्रतिभागियों का सर्वे हुआ। इसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सिफारिशों, काम की स्थितियों, सैलरी, समानता और इमेज के आधार पर कंपनियों का मूल्यांकन किया गया.

2) **राजस्व वृद्धिः-** 2023 में 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा रेवेन्यू वाली कंपनियों और 2021 से 2023 तक प्रदर्शित वृद्धि वाली कंपनियों का मूल्यांकन किया गया।

3) **सस्टेनेबिलिटी :-** कंपनियों का मूल्यांकन स्टेटिस्टा के श्वस्त डेटाबेस और टार्गेटेड रिसर्च से के आधार पर किया गया था।

बयान में कहा गया,इस मूल्यांकन में अदाणी ग्रुप की 11 पोर्टफोलियो में से 8 पर विचार किया गया। यह पूरे ग्रुप में व्यापक प्रदर्शन को दिखाती है. बाकी 3 लिस्टेड कंपनियां इन 8 कंपनियों की सहायक कंपनियां हैं।

टाईम ने इन कंपनियों को वर्ल्ड बेस्ट बिजनेस 2024 की लिस्ट में जगह दी है...

1. अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड
2. अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड
3. अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
4. अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड
5. अदाणी टोटल गैस लिमिटेड
6. अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड
7. अदाणी पावर लिमिटेड
8. अदाणी विल्मर लिमिटेड

जोमैटो और आईआर सीटीसी की हुई साझेदारी

अब ट्रेन में सीट पर ही मिलेगा अपना पसंदीदा टेस्टी फूड

नयी दिल्ली,14 सितंबर 2024(ए)।ज़ोमैटो ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम के साथ मिलकर एक नई सेवा लॉन्च की है, जिसे 'जोमैटो-फूड डिलीवरी इन ट्रेन्स' नाम दिया गया है। इसके तहत, ट्रेन से यात्रा करते समय यात्री अब जोमैटो के माध्यम से अपना मनपसंद खाना ऑर्डर कर सकते हैं, जो सीधे उनकी सीट तक पहुंचाया जाएगा। यह सुविधा ट्रेन यात्रियों के अनुभव को नया रूप देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इतने स्टेशनों पर सेवा उपलब्ध

जोमैटो की यह फूड डिलीवरी सेवा वर्तमान में देश के 88 शहरों के 100 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध है। अब तक, इस सेवा के माध्यम से 10 लाख से ज्यादा ऑर्डर यात्रियों तक पहुंचाए जा चुके हैं। यात्रियों को यात्रा के दौरान उनकी पसंद का खाना सीधे उनके कोच और सीट पर मिलेगा, जिससे उनकी यात्रा अधिक आरामदायक और सुविधाजनक हो जाएगी।

जोमैटो के सीईओ का बयान

जोमैटो के को-फाउंडर और सीईओ दीपिन्दर गोयल ने इस नई सेवा की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा की। उन्होंने पोस्ट में लिखा, जोमैटो अब 100 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों पर सीधे आपके डिब्बे में फूड डिलीवर कर रही है। आईआरसीटीसी के साथ हमारी साझेदारी के लिए धन्यवाद। हम पहले ही 10 लाख से ज्यादा ऑर्डर ट्रेनों में डिलीवर कर चुके हैं। अपनी अगली यात्रा में इसे जरूर ट्राई करें!

यह नई पहल रेल यात्रियों को न केवल अधिक विकल्प देती है, बल्कि उनकी यात्रा के दौरान खाने का अनुभव भी बेहतर बनाती है।

गणपति विसर्जन के दौरान हुआ था हादसा

10 लोगों का एक साथ हुआ अंतिम संस्कार

गांधीनगर,14 सितंबर 2024(ए)। गुजरात के दहेगाम तहसील के वासणा सोगाठी गांव में शुक्रवार की रात गणपति विसर्जन के दौरान एक दर्दनाक हादसे में 10 लोगों की डूबने से मौत हो गई थी। शनिवार सुबह इस हादसे में मरने वाले लोगों की शव यात्रा निकाली गई। इन लोगों के शवों को श्मशान घाट ले जाया गया, जहां इन लोगों के परिजनों ने इनका अंतिम संस्कार किया। इस शव यात्रा को देखने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। यात्रा के साथ-साथ श्मशान घाट तक गया। शव यात्रा में शामिल लोगों की आंखों में आंसू थे। एक साथ दस चिताएं जलता देख मौके पर मौजूद हर शख्स गमगीन हो गया। दहेगाम विधायक बलराज सिंह चौहान, सांसद हसमुखभाई पटेल और कई अन्य राजनीतिक नेताओं समेत तालुका विकास अधिकारी भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

चूहों के कारनामों से सब हैरान

सबूत खा जा रहे हैं चूहे...

अलीगढ़,14 सितंबर 2024(ए)। साथा चीनी मिल में बंदरों ने बीते दिनों में चीनी चट कर दी थी। इसी तरह पूर्व में यूपी, बिहार सहित कई राज्यों में चूहों के द्वारा गांजा, भांग खाने के मामले भी सामने आ चुके हैं। ताजा मामला अलीगढ़ के फूड सेफ्टी विभाग से जुड़ा है। जहां अदालत से फैसला आने से पहले ही चूहे सबूत खा रहे हैं। जी हां, विभाग की ओर से खाद्य पदार्थों के जो नमूने लिए जाते हैं, उसमें से एक नमूना सुरक्षित रखना होता है। इनमें से कई मिठाई, नमकीन के नमूने चूहे चट कर चुके हैं।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफडीए) द्वारा खानपान से संबंधित उत्पादों के नमूने समय-समय पर लिए जाते हैं। अगर किसी के द्वारा मिलावाटी खाद्य पदार्थ से संबंधित शिकायत होती है तो भी विभाग के द्वारा नमूना लिया जाता है। विभाग के द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा-47 के तहत एक नमूने को चार भागों में पैक किया जाता है। एक भाग को जांच के लिए फूड लैब में भेजा जाता है। तीन नमूनों को विभाग के द्वारा सुरक्षित रखा जाता है। अलीगढ़ के एफडीए विभाग में वर्तमान में पांच हजार से ज्यादा नमूने रखे हुए हैं। कलक्ट्रेट के एक कमरे में संचालित इस कार्यालय में पांच हजार से ज्यादा नमूने रखे हैं। बीते दिनों में इनमें से कई नमूने चूहे खा चुके हैं, जगह के अभाव में सही तरह से इन नमूनों की देखभाल भी नहीं हो पा रही है। विभाग की ओर से कलक्ट्रेट में इन नमूनों को दूसरे स्थान पर रखे जाने के लिए भवन दिए जाने का प्रस्ताव डीएम के लिए भेज जा रहा है।

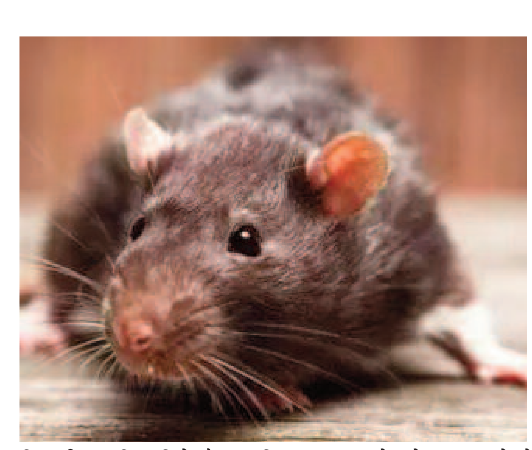

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक एक नमूनों को चार भागों में सील किया जाता है। एक नमूना लैब में जांच के लिए भेजे जाने के बाद तीन भाग स्रुक्षित रखे जाते हैं। जब लैब से रिपोर्ट आती है और जिस प्रतिष्ठान से नमूना लिया गया है, उसका संचालक रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं है तो दूसरा भाग जांच को उच्च लैब में भेजा जाता है। अगर लैब भेजे जाने के दौरान नमूना नष्ट हो जाता है तो भी सुरक्षित रखे भाग में से ही नमूने को लैब में भेजा जाता है। तीसरा भाग अगर अदालत में व्यापारी पक्ष की तरह से पूर्व भेजे गए नमूने और रिपोर्ट को लेकर सवाल उठाया जाता है तो फिर अदालत के आदेश पर लैब में नमूना जांच को भेजा जाता है।

संपादकीय

छात्र समुदाय का प्रतिरोध उचित

किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उच्च शिक्षा संस्थानों में दाखिले के लिए राजनीतिक विचार-विमर्श में भाग ना लेने की शर्त कैसे थोपी जा सकती है? किसी विरोध में भाग ना लेने का वचन दाखिले से पहले ही कैसे लिया जा सकता है?भारत में अन्य स्थलों की तरह ही शिक्षा संस्थानों में भी असहमति या विरोध जताना जोखिम भरा हो चुका है, यह आम तुजर्बा है। लेकिन पूर्व शर्त के तौर पर दाखिले से पहले इस पर हामी भरवाना एक नई घटना के रूप में सामने आया है। इसे इस रूप में भी कहा जा सकता है कि अभी तक जो चलन व्यवहार में था, उसे अब लिखित एवं औपचारिक रूप दिया जा रहा है। खबर मुंबई स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टिस) से है। वहां लागू नए हॉनर कोड के तहत छात्रों को दाखिले से पहले यह वचन देना होगा कि वे किसी राजनीतिक और व्यवस्था विरोधी गतिविधियों तथा देशभक्ति विहीन चर्चाओं आदि में हिस्सा नहीं लेंगे। वे ऐसे प्रदर्शनों या धरना आदि में भाग नहीं लेंगे, जिनसे संस्थान के शैक्षिक वातावरण में रुकावट पड़ती हो। हॉनर कोड पर दस्तखत की रवायत 2017 में शुरू की गई थी, जिसमें अब नई शर्तें जोड़ी गई हैं। टिस एक मानित (डीम्ड) विश्वविद्यालय है। इसकी फंडिंग का एक बड़ा हिस्सा टाटा ग्रुप से आता है।इस संस्थान ने भारत में जातीय एवं अन्य अस्तमिता आधारित विमर्श को फैलाने में अहम भूमिका निभाई है। इससे जनमत के एक बड़े हिस्से में यह धारणा बनी कि यह प्रगतिशील विचारों का वाहक संस्थान है। मगर देश में बदले माहौल का असर वहां भी हुआ। हाल के वर्षों ऐसे कई घटनाएं हुई हैं, जिनसे पुरानी धारणा को चोट पहुंची। बहरहाल, ये सवाल सिर्फ किसी संस्थान विशेष का नहीं है। मुद्दा यह है कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी उच्च शिक्षा संस्थान में दाखिले के लिए राजनीतिक विचार-विमर्श में भाग ना लेने की शर्त कैसे थोपी जा सकती है? साथ ही किसी विरोध में भाग ना लेने का वचन दाखिले से पहले ही कैसे लिया जा सकता है? आखिर किसी भी संस्थान में, कभी कोई ऐसा मसला खड़ा हो सकता है, जिसका विरोध करना छात्र जरूरी समझें। विरोध की हर गतिविधि से सामान्य वातावरण में बाधा आती है। इसलिए हॉनर कोड की नई शर्तों के प्रति छात्र समुदाय का प्रतिरोध उचित है। बेहतर होगा कि प्रशासन इन्हें तुरंत वापस ले ले।

बच्चों के अस्तित्व पर स्वच्छ भारत मिशन का प्रभाव

स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बुनियादी उपाय है। स्वच्छता से डायरिया, हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, कृमि संक्रमण एवं मलाशय संबंधी रोग जैसी जल-जनित बीमारियों के साथ-साथ कुपोषण का खतरा कम हो जाता है। वर्ष 2012 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया था कि स्वच्छता में निवेश किए गए प्रत्येक अमेरिकी डॉलर के एवज में स्वास्थ्य संबंधी लागत में कमी, अधिक उत्पादकता और असामयिक मौतों में कमी के रूप में 5.5 अमेरिकी डॉलर के बराबर का लाभ मिलता है।

भारत में स्वच्छता का इतिहास बहुत पुराना है और इसकी शुरुआत उस सिंधु घाटी सभ्यता से होती है, जहां शौचालय निर्माण एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाता था। हमारे शास्त्रों में कहा गया है- स्वच्छे देहे स्वच्छचित्तं, स्वच्छचित्ते स्वच्छज्ञानम्' यानी स्वच्छ शरीर में शुद्ध मन का निवास होता है और शुद्ध मन में सच्चे ज्ञान का निवास होता है।

इस समृद्ध विरासत के बावजूद, व्यापक स्वच्छता की दिशा में भारत की यात्रा चुनौतियों से भरी रही है। वर्ष 1981 की जनगणना के समय तक, मात्र एक प्रतिशत ग्रामीण घरों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध थी। इस हकीकत ने भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रमों- केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम, संपूर्ण स्वच्छता अभियान और निर्मल भारत अभियान- के शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त किया। इन सभी कार्यक्रमों की सहायता से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता कवरेज 39 प्रतिशत तक पहुंच गया।

दुनिया भर में होने वाले खुले में शौच का लगभग 60 प्रतिशत बोझ भारत पर था। यहां 50 करोड़ से अधिक लोग खुले में शौच करते थे। हमारी महिलाओं के सामने अंधेरे में अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने और अपनी गरिमा एवं सुरक्षा बनाए रखने की दुविधा थी।

इसी पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच वर्षों में ग्रामीण भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लक्ष्य के साथ 2014 में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की शुरुआत की थी। भारत ने 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन पांच महत्वपूर्ण वर्षों के दौरान, ग्रामीण स्वच्छता कवरेज बढ़कर शत-प्रतिशत हो गया।

इस मिशन के तहत,2014 से 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक निवेश के साथ 11.7 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है।* यह महज परिसंपत्ति निर्माण की एक कवायद भर नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रव्यापी आंदोलन था जिसने व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित एक ठोस क्रांति के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को मिलाकर एक अरब से अधिक लोगों को प्रेरित किया। इसकी पहचान एक जन आंदोलन के तौर पर थी और यह शायद व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित दुनिया की सबसे बड़ी कवायद थी। बच्चों, महिलाओं, पुरुषों, समुदाय के नेताओं, नागरिक समाज और सरकारी मशीनरी ने एकजुट होकर काम किया। स्वच्छता से जुड़े संदेश हर माध्यम से लोगों तक पहुंचे। मशहूर हस्तियों ने इस सामूहिक सुर में सुर मिलाया। ग्राम-स्तर के स्वयंसेवक (स्वच्छाग्रही) ज़मीनी स्तर पर परिवर्तन के चैंपियन बन गए। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों, बैठकों, मन-की-बात' में किए जाने वाले वार्तालापों और स्थानों एवं परिसरों की सफाई के आदर्श कार्यों के माध्यम से देश का नेतृत्व किया और लोगों को प्रेरित किया।

एसबीएम चरण-1 की सफलता के बाद, चरण-2 की शुरुआत की गई। इस चरण का उद्देश्य ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, परिदृश्य स्वच्छता और समग्र ग्रामीण स्वच्छता के व्यापक पहलुओं का समाधान करते हुए ओडीएफ संबंधी उपलब्धियों को बनाए रखना है। वर्ष 2024-25 तक, सभी गांवों को स्थायी

तौर-तरीकों और बेहतर स्वच्छता की विशेषता से लैस ओडीएफ प्लस मॉडल में बदलने का लक्ष्य है। इस मिशन का अगला लक्ष्य संपूर्ण स्वच्छता है- जिसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक, समुदाय और संस्थान की ओर से निरंतर समर्पण की आवश्यकता होगी।

शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका नेचर' में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन सार्वजनिक स्वास्थ्य पर एसबीएम के व्यापक प्रभाव को रेखांकित करता है, खासकर शिशु मृत्यु दर को कम करने के मामले में। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण और शिशु मृत्यु दर' शीर्षक वाले इस अध्ययन में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) के रुझानों से संबंधित 10 वर्षों की अवधि (2011-20) में 35 भारतीय राज्यों और 640 जिलों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। लेखकों ने शौचालय की बढ़ती सुलभता और बाल मृत्यु दर में गिरावट के बीच एक मजबूत संबंध का दस्तावेजीकरण किया है। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि एसबीएम के बाद जिला स्तर पर शौचालयों की सुलभता में प्रत्येक 10 प्रतिशत अंक की वृद्धि से जिला स्तर पर आईएमआर में 0.9 अंक और यू5एमआर में औसतन 1.1 अंक की कमी आई है। एक सीमा प्रभाव का भी सबूत है, जिसमें जिला स्तर पर 30 प्रतिशत (और उससे अधिक) का शौचालय कवरेज आईएमआर में 5.3 अंक और प्रति हजार जीवित जन्मों पर यू5एमआर में 6.8 अंक की कमी के समतुल्य है। लेखकों का अनुमान है कि एसबीएम के कारण बड़े पैमाने पर शौचालय की सुलभता ने सालाना 60,000- 70,000 शिशु मृत्यु को रोकने में योगदान दिया है।

हालांकि, यहां इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि यह मात्र प्रभाव संबंधी अध्ययन भर नहीं है, जो एसबीएम की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (2018) के अनुसार, 2014 और 2019 के बीच डायरिया से होने वाली 3,00,000 से अधिक मौतों को रोकने में एसबीएम की अहम भूमिका रही है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (2017) ने बताया कि गैर-ओडीएफ गांवों की तुलना में ओडीएफ वाले इलाकों के बच्चों में वेस्टिंग के मामले 37 प्रतिशत कम थे, जो इस बात की पुष्टि करती है कि स्वच्छता कैसे बचपन के पोषण पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। ओडीएफ गांवों के बच्चों में डायरिया के मामले लगभग एक तिहाई कम थे। वर्ष 2017 में एक अध्ययन में, यूनिसेफ ने अनुमान लगाया कि 93 प्रतिशत महिलाएं घर में शौचालय उपलब्ध होने के बाद सुरक्षित महसूस करती हैं, जो महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को बढ़ाने में एसबीएम की भूमिका को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन में किए गए आर्थिक विश्लेषण से पता चला कि ओडीएफ गांवों में प्रत्येक परिवार ने स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की अपेक्षाकृत कम लागत और बचाए गए जीवन के आर्थिक मूल्य एवं समय की बचत की दृष्टि से सालाना लगभग 50,000 रुपये की बचत की।

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बीच के संबंध को देखते हुए, एसबीएम से हासिल हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी लाभ अपरिहार्य हैं। हाल के अध्ययन से हमें जो जानकारी मिली है, वह शौचालय की सुलभता के कारण बच्चों के जीवित रहने की संभावनाओं में सुधार का एक ठोस परिमाण है। राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता से संबंधित बदलाव निश्चित रूप से वयस्कों में जल-जनित संक्रमण को कम करने के साथ-साथ संभवतः रोगाणुरोधी प्रतिरोध के बोझ को भी कम करने में प्रभाव डालेगा। इसका बचपन में स्टंटिंग एवं विकास पर भी निरंतर प्रभाव माना जाता है। आईसीएमआर और शिक्षा जगत को एसबीएम के इन आयामों पर वस्तुनिष्ठ अध्ययन करना चाहिए।

स्वच्छ भारत मिशन इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि समर्पण, सहयोग, योजना, शानदार कार्यान्वयन और निरंतर जन आंदोलन के जरिए क्या कुछ हासिल किया जा सकता है। एसबीएम के 4पी वाले मंत्र- राजनीतिक इच्छाशक्ति, सार्वजनिक वित्त, साझेदारी और जनभागीदारी- के साथ-साथ अनुनय, इस कार्यक्रम की सफलता एवं प्रसार में सहायक रहे हैं। यह रणनीतिक पैकेज' देश में और विदेश में अन्य सामाजिक परिवर्तन मिशनों के लिए एक मॉडल है।

अब जबकि हम विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमें स्वच्छता और साफ-सफाई के मामले में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में उभरने की जरूरत है। व्यवहार में बदलाव को बनाए रखने, निर्मित शौचालयों का निरंतर उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट प्रबंधन के उन्नत उपायों को समन्वित करने की प्रतिबद्धता अटल रहनी चाहिए। स्वच्छता एक ऐसा साझा मूल्य बनना चाहिए, जिसके स्वामित्व और पालन की जिम्मेदारी हम सभी को उठानी चाहिए। यह मिशन अगले महीने गांधी जयंती पर अपनी 10वीं वर्षगांठ मनाएगा। एसबीएम के एक दशक की अवधि में हमें अभूतपूर्व लाभ हुए हैं- स्वच्छ पर्यावरण, महिलाओं की गरिमा एवं सुरक्षा, जीवनयापन में आसानी, घरेलू बचत और हमारी परंपरा के अनुरूप स्वच्छता की संस्कृति से हम समृद्ध हुए हैं। अब हम सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और जीवन बचाने में एसबीएम की एक मजबूत छाप भी देख रहे हैं।

इस नेक मिशन की सफलता वास्तव में हर भारतीय के लिए गर्व की बात है।

-विनोद के. पॉल-

राजनैतिक दलों में परस्पर सम्मान क्यों नहीं ?

पिछले दिन विनेश फोगट और पूनिया के कांग्रेस में शमिल होने पर भाजपा के प्रवक्ता कह रहे हैं कि पिछले साल पहलवानों का आन्दोलन बृजभूषण के खिलाफ कांग्रेस द्वारा प्रायोजित था । पहले भी खिलाडियों ने राजनैतिक दलों की सदस्यता ली है । गौतम गंभीर को सन् 2019 में दिल्ली से लोकसभा के लिए चुनाव लड़वाया गया था । राजवर्धन तो मंत्री भी रहे हैं । अनेक विभिन्न खेलों के खिलाड़ी किसी खास राजनैतिक दल के पक्ष में वक्तव्य दे चुके हैं । ज्यादातर खिलाड़ी सत्ता पक्ष के साथ रहते हैं । इससे उन्हें सुविधा मिलती है । यूं मोदी जी के कार्यकाल में खिलाडियों को काफी प्रोत्साहन मिला है । अब जीतने वाले खिलाडियों को करोड़ों में ईनाम मिलता है । विनेश फोगट के मन की टीस को कौन समझ सकता है । आज भाजपा, कांग्रेस तथा लेफ्ट पश्चिमबंगाल में हुये टेप काण्ड के बाद ममता बनर्जी का इस्तीफा मांग रहे हैं । क्या रेप घटना मात्र पश्चिम बंगाल में होती है? रोज तो किसी न किसी प्रदेश में ऐसी घटनाओं की खबर आती रहती है । भाजपा के एक मंत्री जो अपने को संत भी कहते थे, ऐसे आरोप सिद्ध होने के बाद त्यागपत्र दे गये । कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष के खिलाफ इन महिला पहलवानों ने घृणित आरोप लगाये हैं । तब इन प्रदर्शनकारियों के साथ कोई नहीं आया । पुलिस ने भी इनके साथ अन्याय किया । तो क्या इसका आक्रोश इन महिला खिलाडियों को नहीं होना चाहिए ? बृजभूषण का असर कम से कम पांच-छ लोकसभा सीटों पर है तो ये अब भी भाजपा के सदस्य हैं ।

असल में भारत में किसी भी राजनैतिक दल में आंतरिक स्वराज्य नहीं है । शायद सी.पी.एम. या सी.पी.आई. में हो । बी.एस.पी. में मायावती सर्वेसर्वा हैं । कांग्रेस में सोनिया गांधी सर्वेसर्वा हैं । खडगे तो नाममात्र के अध्यक्ष हैं । किसी मीटिंग में बीच की कुर्सी पर राहुल गांधी बैठते हैं । सपा में अखिलेश यादव सर्वेसर्वा हैं । लाल प्रसाद प्रसाद अपनी पार्टी के सर्वेसर्वा हैं । जे.डी.यू. में नितीश कुमार शिवसेना की एक गुट के सर्वेसर्वा शिंदे हैं । दूसरे गुट के उद्धव ठाकरे । सभी लोग परिवारवाद की आलोचना करते हैं परन्तु तृणमूल कांग्रेस में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की चलती है । उद्धव ठाकरे का बेटा मंत्री रहा है । अभी हरियाणा में वहां कम से कम आठ-दस उम्मीदवार वहां के प्रभावशाली नेताओं के पुत्र, पुत्री, माता या अन्य रिश्तेदार हैं । अब तो पार्टी में दरी बिछाने वाले कहने लगे हैं कि भाजपा में भी अब पैराशूट प्रत्याशी उतारे जाते हैं यानि दूसरी पार्टी से आये प्रत्याशी । भाजपा में अंतिम निर्णय मोदी जी का ही है । गांधी जी के भाषणों की एक किताब नवजीवन प्रेस ने छापी है । उसमें एक जगह गांधी जी पूछते हैं कि कांग्रेस का अध्यक्ष तो खादी पहनता है और तीसरे दर्जे में सफर करता है परन्तु कुछ प्रांतों के प्रधानमंत्री (तब मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री कहते थे) विलायती कपड़े पहनते हैं और फर्स्ट-क्लास में सफर करते हैं यानि गांधी जी की नजर में पार्टी का अध्यक्ष मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री से बड़ा होता है । कल ऐसा किसी भी राजनैतिक दल में हैं आज भाजपा को भी मिलाकर । उन दिनों हिन्दू महासभा ने मुस्लिम लीग के साथ मिल कर सिंध, बंगाल आदि में सरकार बनाई थी ।

आज भारत में किसी भी राजनैतिक दल में नेतृत्व की दूसरी कतार नहीं है । भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल और दिल्ली सिरदर्द है । दिल्ली में केजरीवाल के खिलाफ किरण बेदी को उतारा था, यह सोचकर कि वे भी अन्ना के आन्दोलन से निकलीं हैं । परन्तु मुख्यमंत्री तो क्या वे अपनी सीट भी नहीं जीत पाईं । असल में देश का भला तभी होगा जब राजनैतिक दल स्वयं की न सोचकर देश की सोचेंगे ।

-अजय दीक्षित-

भाजपा और आरएसएस के बीच अंदरूनी मनमुटाव

भारत के मौजूदा सत्तारूढ़ खेमों में इस बात को लेकर अच्छी खासी चर्चा है कि ऐसी क्या खास वजह पैदा हो गई। जिससे देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी और उसके कथित संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) के बीच अंदरूनी मनमुटाव की स्थिति पैदा हो गई और जिसके कारण भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को संघ की राष्ट्रीय समन्वयक बैठक में यह कहना पड़ कि- भाजपा को संघ की अब कोई जरूरत नहीं है, अब भाजपा हर तरीके से अपने आपमें सक्षम और आत्मनिर्भर है।'' भाजपाध्यक्ष के इस बयान की देश के राजनीतिक क्षेत्रों में अच्छी खासी चर्चा है और कथन को लेकर मौजूदा और

भविष्य के कयासों पर अटकलें तेज है। भाजपाध्यक्ष के इस बयान से संघ स्वयं वाली विस्मित है तथा अब वह अपनी अगली रणनीति को लेकर सजग व सक्रिय हो गया है, संघ प्रमुख केरल के पलक्कड में सम्पन्न इस सम्मेलन के बाद काफी चिंतित और सक्रिय हो गए है, उन्होंने पिछले कुछ दिनों में अपने विश्वस्तों के साथ कई बार गंभीर मंत्रणाएं भी की है।अब भाजपाध्यक्ष जगतप्रकाश नड्ड़ा के इस तल्खी भरे बयन के राजनीतिक क्षेत्रों में कई अर्थ निकाले जा रहे है, संघ इस बात को लेकर चिंतित है कि प्रधानमंत्री की मौन स्वीकृति के बिना नड्ड़ा जी ऐसा बयान दे नही सकते और मोदी जी की संघ के प्रति यह मुद्रा क्यों है? यह किसी के भी समझ में नही आ रहा है। भाजपाध्यक्ष ने यह बयान संघ के करीब दस दिन पहले केरल के पलक्कड़ शहर में हुए सम्मेलन में दिया था, बयान तिथि से अब तक के दस दिन के समय में भाजपाध्यक्ष के इस बयान की काफी राजनीतिक सर्जरी हो चुकी है और वह अभी भी जारी है, इस कारण भाजपा और संघ दोनों में ही खलबली मची हुई है।अब ऐसे मौके पर राजनीतिक प्रेक्षकों को मोदी का राजनीतिक इतिहास याद आ रहा है, जब मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए दंगों के बाद अटल जी का सार्वजनिक रूप से मोदी से की गई तल्खी भरी बातचीत और मोदी की दो टूक सफाई इसके साथ ही मुख्यमंत्री के रूप में मोदी के इस समय हुए दिल्ली दौरों और अटल-अड़वानी की तत्कालीन राजनीतिक भूमिका व मोदी के प्रति बर्ताव भी इन दिनों राजनीतिक क्षेत्रों में समीक्षा का विषय बना हुआ है और आज प्रधानमंत्री की संघ के प्रति तल्खी को उसी संदर्भ में जांचा परखा जो निकलेगें वे सार्वजनिक हो पाएगें या नही? यह तो फिलहाल कहना मुश्किल है, किंतु यह सही है कि इन परिणामों की प्रतीक्षा सभी को है, संघ को भी और मोदी खेमें को भी।

-ओमप्रकाश मेहता-

शक वर्ष का शक का निराकरण

संजय गोस्वामी
मुंबई, महाराष्ट्र

शक तथा संवत्सर का प्रायः समान अर्थ है, किन्तु थोड़ा अन्तर है। चान्द्र तिथि के अनुसार पर्व होते हैं (संक्रान्ति के अतिरिक्त) क्योंकि चन्द्र मन का कारक है-चन्द्रमा मनसो जातः (पुरुष सूक्त)। किन्तु तिथि क्रमागत दिन में नहीं होती है, अतः क्रमागत दिन की गणना के लिए एक अलग व्यवस्था करनी पड़ती है, जिसे शक कहते हैं। एक ही लेखक ने गणना के लिए शक तथा पर्व निर्णय के लिए संवत्सर का प्रयोग किया है। अतः शक-संवत्सर शब्द का कोई अर्थ नहीं है। शक या संवत् कोई भी आरम्भ करने वाले को शक-कर्त्ता कहा गया है।

शक वर्ष का शक जातियों से कोई सम्बन्ध नहीं है। मध्य एशिया, दक्षिण तथा पूर्व यूरोप की बिखरी जातियों को शक कहते थे। ज्योतिर्विदाभरण में रोम के राजा को भी शक कहा है। अल बिरुनी के अनुसार किसी भी शक राजा ने अपना कैलेण्डर आरम्भ नहीं किया था। वे ईरान या सुमेरिया का कैलेण्डर मानते थे। यदि भारत के पश्चिमोत्तर के शक अपना कैलेण्डर चलाते तो विक्रमादित्य के काल में उनका कैलेण्डर नहीं चलता। विक्रमादित्य ने अपना स्वयं का कैलेण्डर आरम्भ किया जो आज तक चल रहा है। उनके प्रपौत्र शालिवाहन का शक गणना के लिए व्यवहार होता है, जैसे हेमांगद ठक्कुर की ग्रहण-माला में। केवल पश्चिमोत्तर भारत के बदले कम्बोडिया तथा फिलीपीन के अभिलेखों में भी शालिवाहन शक का प्रयोग है (फिलीपीन का लुगुना अभिलेख)। वहां तक विक्रमादित्य का परोक्ष शासन या प्रभाव का यह प्रमाण है।

शक जातियों का क्षेत्र जम्बू द्वीप का केन्द्र तथा प्लक्ष द्वीप का दक्षिण भाग था। किन्तु शक द्वीप आस्ट्रेलिया था। एक का चिह्न कुश (1) है। यह दो प्रकार से शक्तिशाली हो कर शक होता है-बड़े कुश या स्तम्भ आकार का वृक्ष, या कुशों का गट्ठर। मानसिक रूप से दिनों का समूह या अहर्गण कुश का गट्ठर है जिसे शक कहते हैं। इस अर्थ के कारण कई इतिहासकारों ने लिखा है कि सुमेरिया, मिस्र तथा मेक्सिको के मय 5,000 वर्षों की गणना के लिए प्रतिदिन 1-1 कुश जोड़ते थे। यह व्यवस्था एक वर्ष भी चलाना कठिन है, कुश नष्ट हो जायेगा। 5,000 वर्ष तक कोई भी संस्था या शासन नहीं रहा है। बड़े कुश या स्तम्भ की तरह का मुख्य वृक्ष उत्तर भारत में साल (शक = सखुआ) तथा दक्षिण भारत में टीक (शकवन = सागवान) है। सखुआ हिमालय की तराई में होता है किन्तु विशिष्ट भूमि तथा जलवायु के कारण शकवन की एक शाखा गोरखपुर से रोहतास, पलामू, पश्चिम ओड़िशा से होते हुए दक्षिण ओड़िशा के मलकान (माल्यवन्त) गिरि के बालिमेला तक गयी है जहां भगवान राम ने 7 साल वृक्षों को भेदा था। यह भारत के भीतर लघु शक द्वीप है जहां के शाकद्वीपीय जाती के हैं।आस्ट्रेलिया में 300 प्रकार के युकलिप्टस वृक्ष स्तम्भ जैसे हैं, अतः इसे शक द्वीप कहते थे। इसका पश्चिमोत्तर भाग गभस्तिमान (पपुआ न्यूगिनी) का एक भाग जम्बू द्वीप में भी वर्णित है।

संवत्सर के भी कई अर्थ हैं-

सम+वत् + सरति = समान गति से चलता है। क्रमागत दिन गणना के शक के अनुसार इसकी तिथि चलती है। या समाज इसके अनुसार चलता है।

त्सर छद्म गतौ-के अनुसार पृथ्वी कक्षा या क्रान्तिवृत्त भी संवत्सर है जिस काल में पृथ्वी का एक चक्र होता है। इसका मार्ग हर विन्दु पर मुड़ रहा है। सूर्य से 1 संवत्सर में प्रकाश जितनी दूर तक जाता है, अर्थात सूर्य केन्द्रित 1 प्रकाश वर्ष का गोल संवत्सर है। यह माप कई प्रकार से है-सूर्य व्यास का 157.5 लाख गुणा (विष्णु पुराण, 2/8/4), पृथ्वी व्यास का 2 घात 30 गुणा (ऋग्वेद, 10/189/3) आदि।

पृथ्वी के भीतर 3 तथा बाहर सौरमण्डल में 30 धाम हैं। इन धामों के प्राण 33 देव हैं जिनके चिह्न क से ह तक 33 अक्षर हैं। यह लिपि चिह्न रूप में देवनगर होने से देवनागरी है। संवत्सर गोल 33 देवों का क्षेत्र होने से संवत्सर का अर्थ देव या देवगृह भी है।

मैं कैसे दे पाऊँगा पाँव ?

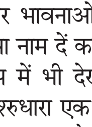

हेमेन्द्र क्षीरसागर
बालाघाट, मध्यप्रदेश

रिश्ते खून के नहीं बल्कि विश्वास और भावनाओं के भी होते हैं। उनको क्या नाम दें कहां नहीं जा सकता, जिस रूप में भी देखो उतना ही कम होगा। अश्रुधारा एक दिन एक बुजुर्ग डाकिये ने एक घर के दरवाजे पर दस्तक देते हुए कहा...चिट्ठी ले लीजिये। आवाज़ सुनते ही तुरंत अंदर से एक लड़की की आवाज गूंजी..अभी आ रही हूँ...ठहरो। लेकिन लगभग पांच मिनट तक जब कोई न आया तब डाकिये ने फिर कहा..अरे भाई! कोई है क्या, अपनी चिट्ठी ले लो...मुझें औऱ बहुत जगह जाना है..मैं ज्यादा देर इंतज़ार नहीं कर सकता....। लड़की की फिर आवाज आई...,डाकिया चाचा, अगर आपको जल्दी है तो दरवाजे के नीचे से चिट्ठी अंदर डाल दीजिए, मैं आ रही हूँ कुछ देर औऱ लगेगा। अब बूढ़े डाकिये ने झल्लाकर कहा, नहीं, मैं खड़ा हूँ, रजिस्टर्ड चिट्ठी है, किसी का हस्ताक्षर भी चाहिये।

तकरीबन दस मिनट बाद दरवाजा खुला। डाकिया इस देरी के लिए ख़ूब झल्लाया हुआ तो था ही। अब उस लड़की पर चिल्लाने ही वाला था लेकिन दरवाजा खुलते ही वह चौंक गया औऱ उसकी आँखें खुली की खुली रह गई। उसका सारा गुस्सा पल भर में फुर्र हो गया। उसके सामने एक नन्ही सी अपाहिज कन्या जिसके एक पैर नहीं थे, खड़ी थी। लड़क़ी ने बेहद मासूमियत से डाकिये की तरफ़ अपना हाथ बढ़ाया औऱ कहा...दो मेरी चिट्ठी...। डाकिया चुपचाप डाक देकर और उसके हस्ताक्षर लेकर वहाँ से चला गया।

वो अपाहिज लड़की अक्सर अपने घर में अकेली ही रहती थी। उसकी माँ इस दुनिया में नहीं थी और पिता कहीं बाहर नौकरी के सिलसिले में आते जाते रहते थे। उस लड़की की देखभाल के लिए एक कामवाली बाई सुबह शाम उसके साथ घर में रहती थी लेकिन परिस्थितिवश दिन के समय वह अपने घर में बिलकुल अकेली ही रहती थी।

समय निकलता गया। महीने, दो महीने में जब कभी उस लड़की के लिए कोई डाक आती। डाकिया एक आवाज देता और जब तक वह लड़की दरवाजे तक न आती तब तक इत्मीनान से डाकिया दरवाजे पर खड़ा रहता। धीरे धीरे दिनों के बीच मेलजोल औऱ भावनात्मक लगाव बढ़ता गया। एक दिन उस लड़की ने बहुत ग़ौर से डाकिये को देखा तो उसने पाया कि डाकिये के पैर में जूते नहीं हैं। वह हमेशा नंगे पैर ही डाक देने आता था। बरसात का मौसम आया। फ़िर एक दिन जब डाकिया डाक देकर चला गया। तब उस लड़की ने जहां गीली मिट्टी में डाकिये के पाँव के निशान बने थे। उन पर काग़ज़ रख कर उन पाँवों का चित्र उतार लिया। अगले दिन उसने अपने यहाँ काम करने वाली बाई से उस नाप के जूते मंगवाकर घर में रख लिए ।

जब दीपावली आने वाली थी उससे पहले डाकिये ने मुहल्ले के सब लोगों से त्योहार पर बकसीस चाही। लेकिन छोटी लड़की के बारे में उसने सोचा कि बच्ची से क्या उपहार मांगना पर गली में आया हूँ तो उससे मिल ही लूँ। साथ ही साथ डाकिया ये भी सोंचने लगा कि त्योहार के समय छोटी बच्ची से खाली हाथ मिलना ठीक नहीं रहेगा। बहुत सोच विचार कर उसने लड़की के लिए पाँच रुपए के चॉकलेट ले लिए। उसके बाद उसने लड़की के घर का दरवाजा खटखटाया। अंदर से आवाज आई....कौन? मैं हूं गुड़िया...तुम्हारा डाकिया चाचाज्उत्तर मिला। लड़की ने आकर दरवाजा खोला तो बूढ़े डाकिये ने उसे चॉकलेट थमा दी औऱ कहा. ले बेटी अपने ग़रीब चाचा के तरफ़ से। लड़की बहुत खुश हो गई औऱ उसने कुछ देर डाकिये को वहीं इंतजार करने के लिए कहा। उसके बाद उसने अपने घर के एक कमरे से एक बड़ा सा डब्बा लाया औऱ उसे डाकिये के हाथ में देते हुए कहा, चाचा मेरी तरफ से दीपावली पर आपको यह भेंट है। डब्बा देखकर डाकिया बहुत आश्चर्य में पड़ गया। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या कहे। कुछ देर सोचकर उसने कहा, तुम तो मेरे लिए बेटी के समान हो, तुमसे मैं कोई उपहार कैसे ले लूँ बिटिया रानी? लड़की ने उससे आग्रह किया कि चाचा मेरी इस गिफ्ट के लिए मना मत करना, नहीं तो मैं उदास हो जाऊंगी। ठीक है, कहते हुए बूढ़े डाकिये ने पैकेट ले लिया औऱ बड़े प्रेम से लड़की के सिर पर अपना हाथ फेरा मानो उसको आशीर्वाद दे रहा हो। बालिका ने कहा, चाचा इस पैकेट को अपने घर ले जाकर खोलना।

घर जाकर जब उस डाकिये ने पैकेट खोला तो वह आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि उसमें एक जोड़ी जूते थे। उसकी आँखें डबडबा गई। डाकिये को यक़ीन नहीं हो रहा था कि एक छोटी सी लड़की उसके लिए इतना फ़िक्रमंद हो सकती है। अगले दिन डाकिया अपने डाकघर पहुंचा और उसने पोस्टमास्टर से फरियाद की कि उसका तबादला फ़ौरन दूसरे इलाक़े में कर दिया जाए। पोस्टमास्टर ने जब इसका कारण पूछा, तो डाकिये ने वे जूते टेबल पर रखते हुए सारी कहानी सुनाई और भीगी आँखों और रुंधे गले से कहा, सर..आज के बाद मैं उस गली में नहीं जा सकूँगा। उस छोटी अपाहिज बच्ची ने मेरे नंगे पाँवों को तो जूते दे दिये पर मैं उसे पाँव कैसे दे पाऊँगाज्? इतना कहकर डाकिया फूटफूट कर रोने लगा। मर्मस्पर्शी व्यथा इंसान को इंसानियत सीखा गई। जो आज कहीं गुम हो गई है उसे समझने की निहायत ज़रूरत है। महसूस संवेदना मे दर्द के मर्ज का मर्म समाहित है।

सफर जिंदगी का

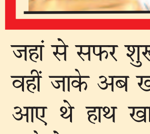

केशी गुप्ता
द्वारका
नई दिल्ली

जहां से सफर शुरू हुआ जिंदगी का
वहीं जाके अब खत्म हो चला है
आए थे हाथ खाली और बिलकुल अकेले
वहीं मंजर अब फिर आ खड़ा है
खाने, बोलने ,सुनने से ले कर
सोना, जागना सब बदलने लगा है
सहारा ढूंढ रहा है वो फिर से
नए सफर पर जो चल पड़ा है
ना रूतबा है कोई ना कोई गिला है
बस बीती हुई यादों का सिलसिला है
दौड़ खत्म हो चुकी पाने की सब कुछ
अब मुक्ति की ओर कदम बढ़ चला है
वो सुन रहा है भीतर की अपनी
वो परमात्म से अब जुड़ चला है
जहां से सफर शुरू हुआ जिंदगी का
वहीं जा के अब ख़त्म हो चला है

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए परिजनों के साथ धरने पर बैठे पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

पानी टंकी के नींव से राजमिस्त्री संदीप लकड़ा का शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले में 5 आरोपियों की गिरफ्तारी की है, लेकिन मुख्य आरोपी अभी भी फरार है। ऐसे में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे युवक के परिजन और सर्व आदिवासी समाज से मुलाकात करने पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव पहुंचे। वहीं हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी के घर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसी बीच सरगुजा पुलिस ने सीतापुर थाने के टीआई जॉन प्रदीप लकड़ा व एक एसआई को हटा दिया गया है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने बताया कि इस जघन्य हत्या के बाद अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे सर्वआदिवासी समाज एवं परिजनों से मैंने आज में सीतापुर में मुलाकात की। इसके साथ पुलिस और प्रशासन से जल्द से जल्द फरार आरोपियों को पकडने् और शव के अंतिम क्रिया के लिए परिजनों से चर्चा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी शव का अंतिम क्रिया नहीं किया जाना एक गंभीर बात है, और पुलिस को तत्परता के साथ आरोपी को गिरफ्तार करना चाहिए। टीएस सिंह देव ने कहा कि पुलिस जनता क बीच अपना विश्वास खो चुकी है। हत्याकांड के बाद मुख्य आरोपी के खातों से हुए करोड़ों की लेनदेन की जांच होनी चाहिए। वहीं सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो धरनास्थल पर पहुंचकर परिजन से मुलाकात की। इस दौरान उनहोंने मृतक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधायक ने कहा कि यह काफी दुखद घटना है, इसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। इस दुख की घड़ी में हम परिवार और सर्व आदिवासी समाज के साथ खड़े हैं। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस पूरी कोशिश कर रही है। सर्व आदिवासी सामाज ने मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी व मुआवजे की मांग की है। विधायक ने इनके मांगों को शासन तक पहुंचाने की बात कही है।

हटाए गए थाना प्रभारी

इसी बीच सरगुजा एसपी योगेश पटेल ने शनिवार को 4 पुलिसकर्मियों की ट्रांसफर लिस्ट जारी की है। इसमें सीतापुर टीआई जॉन प्रदीप लकड़ा को हटाकर संभागीय साइबर सेल प्रमुख बनाया गया है। उनके स्थान पर साइबर सेल प्रभारी मोरध्वज देशमुख को सीतापुर थाने का प्रभार दिया गया है। वहीं सीतापुर थाने में पदस्थ एक और एसआई शिवचरण साहू को हटाकर लाइन अटैच किया गया है। वहीं लखनपुर में पदस्थ एएसआई अरुण गुप्ता का तबादला सीतापुर थाने में किया है।

अंबिकापुर-प्रतापपुर मुख्य मार्ग पर पहुंच गया हाथी,मची अफरा-तफरी

– संवाददाता –
प्रतापपुर,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

शुक्रवार की शाम एक दंतैल हाथी प्रतापपुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग पर पहुंच गया। जिससे कुछ देर के लिए मार्ग से गुजर रहे वाहन सवारों के बीच अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। हालांकि स्थिति को संभालने वन विभाग की टीम व हाथी मित्र दल उपस्थित था। हाथी पर निगरानी की जा रही थी। कुछ देर बाद दंतैल हाथी मुख्य मार्ग को पार कर दूसरी ओर जंगल में चला गया तब जाकर सभी ने राहत की सांस ली। इन दोनों हाथियों द्वारा ग्रामीणों की गन्ना, मक्का, धान व अन्य फसलों को भी लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा है। फिलहाल यह दोनों हाथी वन क्षेत्र धरमपुर के सिंघरा व गणेशपुर के कक्ष क्रमांक आरएफ 24-25 के बीच विचरण कर रहे हैं। वन विभाग की टीम व हाथी मित्र दल इन हाथियों की गतिविधि पर लगातार नजर रखते हुए ग्रामीणों को सचेत कर रहे हैं। हाथियों के गोटगवां, गेरुवामुड़ा, आमाडांड़ व दलदली की ओर जाने की संभावना जताई जा रही है। इधर वन परिक्षेत्र घुई के परिसर जजावल से निकलकर वन परिक्षेत्र प्रतापपुर के वन क्षेत्र घाटपेंडारी में भी कई दिनों से पांच हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इस दल के हाथियों को वन क्षेत्र धरमपुर में विचरण कर रहे दो हाथियों की तुलना में कम आक्रामक बताया जा रहा है। हालांकि इस दल के द्वारा भी ग्रामीणों की फसलों को लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

गुस्से में आकर युवती ने खाया कनेर बीज, उपचार के दौरान मौत

– संवाददाता –
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जरहाडीह की एक युवती कनेर का बीज खा ली। तबियत बिगडने् पर सहेलियों ने उसे शहर के होलीक्रॉस अस्पताल में भर्ती कराया था, उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक जरहाडीह की बालेश्वरी लकड़ा 25 वर्ष,

शहर के शंकरघाट के पास किराए के मकान में रहकर रामानुजगंज रोड में स्थित एक पेट्रोल पम्प में काम करती थी। बीते 12 सितम्बर को वह मोबाइल में कथित रूप से बलरामपुर जिला के ग्राम प्रेमनगर के लक्ष्मण नाम के लडक़े से बात कर रही थी। इसी दौरान विवाद की स्थिति बनी और वह आवेश में आकर कनेर का बीज खा ली। इसके बाद उसकी तबियत बिगडने् लगी। इसकी जानकारी मिलने पर सहेलियों ने उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया था और स्वजन को इसकी सूचना दी थी। स्वजन पहुंचे तो युवती का अस्पताल में इलाज चल रहा था। पूछताछ में उसने लक्ष्मण नाम के लडक़े से मोबाइल में बात करते समय विवाद होने और कनेर का बीज खा लेने की बात कही। उपचार के दौरान शुक्रवार की शाम को वह दम तोड़ दी। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर अग्रिम जांच, कार्रवाई में लिया है।

दहेज प्रताडऩा के मामले में पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार

– संवाददाता –
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

दहेज में 2 लाख रुपए कम देने की बात कह कर पति व ससुराल वालों द्वारा नव विवाहिता को प्रताड़ित किया जा रहा था। परेशान होकर विवाहिता ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मणिपुर थाना क्षेत्र की युवती की शादी तीन वर्ष पूर्व जशपुर जिला निवासी पंकज ठाकुर से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद पति द्वारा दहेज में 2 लाख रुपए कम लेकर आई हो कह कर पत्नी को प्रताड़ित करने लगा। पीड़िता ने मामले की जानकारी सास व ननद को भी। ये भी उसके पति का साथ देते हुए पीड़िता को प्रताड़ित कर रहे थे। 18 जुलाई को पीड़िता अपने पति को रुपए देने से इंकार कर दी। इस दौरान पति, सास, ननद द्वारा पीड़िता व उसके भाई के साथ मारपीट की गई। प्रताडऩा से तंग आकर महिला अपने मायके चली आई और मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी पति पंकज ठाकुर निवासी कउअल थाना छतरपुर जिला पलामु झारखण्ड हाल मुकाम दरबारीटोली जिला जशपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

डेढ़ माह की गर्भवती किशोरी की इलाज के दौरान मौत

– संवाददाता –
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक सप्ताह से पेट दर्द से परेशान डेढ़ माह की गर्भवती किशोरी की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मौत का कारण स्पष्ट हो, इसके लिए मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

जानकारी के मुताबिक बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरडीह की 16 वर्षीय किशोरी को बीते 7 सितम्बर से पेट में अत्यधिक दर्द हो रहा था और बुखार आ रहा था। बीते दिनों उसे पेट में अत्यधिक पीड़ा होने लगी, जिस पर मां पेट का मालिस की थी। इसके बाद तबियत अत्यधिक खराब होने पर स्वजन उसे बगीचा स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गए। यहां से रेफर करने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां देर रात 12.30 बजे किशोरी दम तोड़ दी। पुलिस ने बताया मृतिका के डेढ़ माह के गर्भवती होने और गुप्तांग से ब्लीडिंग होने की बातें सामने आई है। अस्पताल प्रबंधन ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने शंका-संदेह की स्थिति के निवारण के लिए मृतिका के शव का मौका पंचनामा करके पोस्टमार्टम कराया है। शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शौर्य ने जीता रजत पदक

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोलकाता में अयोजित पूर्वी क्षेत्र सीबीएसई स्कूल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शौर्यवर्धन ने जूनियर वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया है। इसके साथ राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए वह अपना स्थान पक्का किया है। इस उपलब्धि पर शौर्यवर्धन के परिवार मे हर्ष है। वहीं स्कूल और तायक्वोंडो क्लब के ट्रेनर ने शुभकामनाएं दी है।

ई-रिक्शा ऑटो चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपी को किया गिरफ्तार

– संवाददाता –
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ई-रिक्शा ऑटो चोरी के मामले में मणिपुर पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार मोन्टी भमरा शहर के केदारपुर का रहने वाला है। वह अपने ई-रिक्शा को किराए पर चलाने के लिए देवेन्द्र ऋषि को दिया था। 3 सितंबर को अज्ञात चार द्वारा चोरी कर ली गई थी। मोन्टी भमरा ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी किशोर मांडे (28) निवासी महादेव गली बौरीपारा अम्बिकापुर व गोधू उर्फ रुपसाय यादव (36) निवासी जोड़ा पीपल अम्बिकापुर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की ई-रिक्शा के अलावा 4 नग बैटरी बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता आज से

– संवाददाता –
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार से गांधी स्टेडियम में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज होंगे। जबकि अध्यक्षता अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रबोध मिंज विधायक लुण्ड्रा और रामकुमार टोप्पो विधायक सीतापुर रहेंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 43 टीमों भाग ले रही है। पहले राउंड में नॉकआउट पद्धति से मैच खेला जाएगा। बेस्ट 8 टीमों के मध्य सुपर लीग का मैच खेला जाएगा फिर बेस्ट चार टीमों के मध्य सेमीफाइनल खेला जाएगा। यह प्रतियोगिता लगभग एक महीना तक आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार 51 हजार और द्वितीय पुरस्कार 21 हजार रखा गया है। इस प्रतियोगिता में बेस्ट खिलाडिय़ों को भी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

भाजपा का एक कार्यकर्ता कांग्रेस के पचास कार्यकर्ता के बराबर है:राजा पांडेय

» मोर बूथ मोर अभियान में जुटे भाजपाई

अम्बिकापुर।। भारतीय जानता पार्टी सदस्यता अभियान 2024 के मद्देनज़र आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में संभागीय संगठन प्रभारी राजा पांडेय के मुख्य आतिथ्य , ज़िला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह की अध्यक्षता एवं विधायक राजेश अग्रवाल के विशेष आतिथ्य, ज़िला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, त्रिलोक कपूर कुशवाहा की उपस्थिति में अंबिकापुर विधान सभा स्तरीय बैठक संपन्न हुआ।

संभागीय भाजपा संगठन प्रभारी राजा पांडेय ने कहा कि हम इस विधान सभा को कैसे अविजित विधान सभा बनायें इसकी हमें चिंता करनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा का एक कार्यकर्ता कांग्रेस के पचास कार्यकर्ता के बराबर है और कार्यकर्ता क्षेत्र में एक काउंटर गारंटर है जो जानता के बीच चुनाव के समय पार्टी प्रत्याशी की गारंटी लेता है, और हम वही कार्यकर्ता हैं जो बूथ में डोर तो डोर जानता से जुड़ते हैं और उनसे संवाद स्थापित करते हैं। श्री पांडेय ने यह भी बताया कि ऑनलाइन सदस्यता अभियान से प्रत्येक घर के सदस्यों को मोदी ऐप से जोड़ कर भाजपा के रीति नीति, संस्कार संस्कृति से परिचित कराने का अवसर प्राप्त होगा।

हमें ऐसे लोगो को भाजपा के मुख्य धारा में शामिल करना है जो मतदान में भाग नहीं लेते और ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है जिन्हें भाजपा के विचारधारा से अवगत करा कर सदस्य बनाना है।

भाजपा ज़िला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने सदस्यता अभियान से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि हमें घर घर जा कर परिवार के सभी लोगों को भाजपा का सदस्य बनना है। छोटे से बड़े संगठन के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि इस अभियान में जी जान से जुटें, और तेज गति से इस काम को पूरा करें।

अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने भाजपा सरगुजा के कार्यकर्ताओं की ऊर्जा को नमन करते हुए कहा कि संगठन के शीर्ष नेतृत्व द्वारा निर्देशित सभी कार्यक्रमों को हम सब कार्यकर्ताओं ने बखूबी निभाया है , इसलिए इसके सकारात्मक परिणाम की खुश्बू ज़िला के तीनों विधान सभा में बिखरी हुई है। और अब हमें भाजपा संगठन का महापर्व सदस्यता अभियान को लक्ष्य से ज़्यादा पूर्ण रूप से सफल बनाना है। हमारे विचाराधारा वाले लोगों को सदस्य बना कर हमें राष्ट्र प्रथम की भावना को मज़बूत करना है।

सदस्य बनाने प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने मोदी ऐप में खुलने वाले रेफ़रल कोड के नीचे सभी कॉलम को भरने की बात कही। मोर बूथ मोर अभियान पर बल देते हुए विधायक राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमें लक्ष्य से अधिक सदस्य बना कर बूथ को मज़बूत बनाना है तथा विभिन्न संस्था एवं समुदाय से जुड़े लोगों के पास जा कर उन्हें सदस्य बनाना है। भाजपा के रीति नीति से प्रभावित कुछ लोगों ने आज भाजपा में प्रवेश किया जिन्हें संभाग प्रभारी, ज़िला अध्यक्ष और विधायक ने उन्हें भाजपा का गमछा पहना कर उनका स्वागत किया। बैठक का संचालन ज़िला सह कोषाध्यक्ष अभिषेक शर्मा एवं आभार प्रदर्शन ज़िला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष ने किया।

इस अवसर पर प्रशांत त्रिपाठी, मंजूषा भगत, मधुसूदन शुक्ला, विकास पांडेय, डी के पुरिया, विजय व्यापारी, इंदर भगत, संतोष दास, रुपेश दुबे, अनिल सिंह, दिनेश साहू, प्रियंका चौबे, सोनू तिग्गा, शैलू सिंह, शरद सिन्हा , कमलेश तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विभिन्न संगठनों ने गणपति धाम में मंदिर निर्माण हेतु किया सहयोग

» श्रद्धालुओं का लग रहा तांता, कलेक्टर विलास भोस्कर संदीपन ने भी किया दर्शन

– संवाददाता –
अंबिकापुर,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

गणपति धाम (हाथी पहना) में गणेश चतुर्थी से लगातार दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। आज सरगुजा कलेक्टर विलास राव भी गणपति धाम में दर्शन करने पहुंचे। भारत भ्रमण (धार्मिक यात्रा) पर निकले नागा साधुओं का दल भी आज गणपति दर्शन के लिए गणपति धाम पहुँचा। विभिन्न सामाजिक व अलग अलग क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों द्वारा गणपति धाम में दर्शन की न केवल उत्सुकता दिखाई दे रही है बल्कि इन संगठनों द्वारा गणपति धाम में मंदिर निर्माण हेतु भरपूर सहयोग भी किया जा रहा है। इस क्रम में अग्रहरि समाज, कुर्मी समाज, सर्व नाई सेन समाज, सिख समाज, सर्व ब्राम्हण समाज, धोबी समाज, कलचुरी समाज, यादव समाज, कंवर समाज तथा स्वर्णकार समाज ने गणपति धाम में दर्शन कर आरती में भाग लिया तथा मंदिर निर्माण हेतु सहयोग प्रदान किया। इसके अतिरिक्त जिला कॉंग्रेस कमेटी, विश्व हिन्दू परिषद, अनोखी सोच संस्था तथा आरएसएस के पदाधिकारियों ने भी गणपति जी के दर्शन कर गणपति धाम को विकसित करने में अपना योगदान सुनिश्चित किया। इस अवसर पर विभिन्न समाज प्रमुखों ने गणपति धाम को आस्था व पर्यटन के केंद्र रूप में विकसित करने की सरकार से मांग की। उन्होंने कहा कि माँ महामाया पहाड़ अंबिकापुर शहर का मुकुट है इसे न केवल अवैध कब्जे से बचाना जरूरी है बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से इसका संरक्षण व संवर्धन भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। गणपति धाम के विकसित होने से शहर के लोगों को एक सुंदर जगह पर्यटन व तीर्थाटन के लिए मिलेगा। इस अवसर पर बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया ने सभी समाज प्रमुखों व सामाजिक संगठनों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए गणपति धाम को विकसित करने के लिए अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से बढ़चढ़ कर सहयोग देने की अपील की है।

पीटीआई के गिरफ्तार सांसदों के लिए पाकिस्तान का संसद लॉज बना उप-जेल,इन मामलों में हो रही कार्रवाई

लौहार,14 सितम्बर 2024। पाकिस्तान के नेशनल असेंबली के सदस्यों के आवासीय क्वार्टर को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के 10 सांसदों के लिए उप-जेल घोषित किया गया है, ताकि वे सभी संसद की बैठकों में भाग ले सकें। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसदों को रविवार को इस्लामाबाद के बाहरी इलाके सांगजानी में पार्टी की सार्वजनिक सभा के बाद आतंकवाद विरोधी अधिनियम और हाल ही में लागू किए गए शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था अधिनियम 2024 समेत कई आरोपों में गिरफ्तार किया गया था।

नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ने दी मंजूरी

एक समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक ने शुक्रवार को संसद लॉज को उप-जेल के रूप में नामित करने को मंजूरी दे दी, जो वर्तमान में उन्हें आवंटित सुइट्स में हिरासत में लिए गए सांसदों के लिए है। नेशनल असेंबली सचिवालय के एक अधिकारी ने आंतरिक मंत्रालय के सचिव को लिखे पत्र में कहा, मुझे हाल ही में गिरफ्तार किए गए पीटीआई सांसदों के संबंध में नेशनल असेंबली स्पीकर की तरफ से 11 सितंबर को जारी किए गए प्रोडक्शन ऑर्डर का संदर्भ देने का निर्देश दिया गया है, ताकि वे नेशनल असेंबली के 9वें सत्र की बैठक में भाग ले सकें।

पीटीआई सांसदों के खिलाफ दर्ज हैं कई मामले

अखबार ने कहा कि संसद लॉज में नई व्यवस्था से सुरक्षा और प्रक्रियात्मक दोनों जरूरतों को पूरा करने की उम्मीद है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हिरासत में लिए गए सदस्य अपनी मौजूदा कानूनी परिस्थितियों को संभालते हुए अपने विधायी कर्तव्यों को पूरा कर सकें। यह निर्णय पार्टी के अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर खान और अन्य सदस्यों की तरफ से बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं के कारण किए गए अनुरोध के बाद लिया गया है। पुलिस ने राजधानी क्षेत्र के पास मौजूद संगजानी, सुंबल और नून पुलिस स्टेशनों में 10 सांसदों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं, अधिकारियों ने कहा कि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने उन्हें न्यायिक रिमांड प्रदान की है।

आतंकवाद से संबंधित अपराधों का आरोप

अधिकारियों ने कहा कि उप-जेलों के अंदर और बाहर कोई विशेष व्यवस्था और तैनाती नहीं है क्योंकि वहां पहले से ही पुलिस मौजूद थी, उन्होंने कहा कि उपलब्ध पुलिस अधिकारियों की सेवाओं का उपयोग किया जा रहा है। रविवार को रैली के दौरान पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हिंसा के आरोपों में कई पीटीआई नेताओं, जिनमें उच्च पदस्थ व्यक्ति भी शामिल हैं, पर आतंकवाद से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया गया।

अफगान तालिबान से अच्छे संबंध नहीं रख पा रहा पाकिस्तान,सेना नाखुश, विशेष प्रतिनिधि को वापस बुलाया

इस्लामाबाद,14 सितम्बर 2024। पाकिस्तान सरकार ने अफगानिस्तान में अपने विशेष प्रतिनिधि आसिफ दुर्रानी को हटा दिया। शनिवार को मीडिया रिपोर्ट में बताया कि इस्लामाबाद और काबुल के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए पाकिस्तान ने यह फैसला लिया। एक आधिकारिक सूचना के अनुसार, 10 सितंबर को अफगानिस्तान में प्रबंधन पद पर विशेष प्रतिनिधि के तौर पर तैनात दुर्रानी को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया। इस कदम पर कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है। सूत्रों के अनुसार, पिछले साल मई महीने में दुर्रानी को इस पद पर नियुक्त किया गया था, लेकिन वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंधों पर प्रभाव डालने में विफल रहे। यह भी कहा गया कि काबुल ने दुर्रानी को स्वीकार नहीं किया था, क्योंकि तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के साथ उनका संपर्क बहुत कम था। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि देश की सेना दुर्रानी के प्रदर्शन से नाखुश थी। दुर्रानी भी नाराज थे, क्योंकि नीतिगत सलाह को नजरअंदाज किया जा रहा था। उन्होंने एक संदेश में अपने प्रस्थान की पुष्टि की। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान की सेवा करने का मौका देने के लिए सरकार का आभार जताया।

बता दें कि अमेरिका-तालिबान दोहा समझौता के बाद अफगानिस्तान के लिए विशेष राजदूत का पद जून 2020 में बनाया गया था। यह तालिबान और अफगानिस्तान में अन्य देशों के साथ जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंध है। इस तनावपूर्ण संबंध की वजह प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा किए जाने वाले हमले और दोनों देशों की सीमा को लेकर झड़प है। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान सरकार आने के बाद से पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों का कारण प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी को माना जाता है।

अल्बर्ट आइंस्टीन का पत्र 32 करोड़ रुपये में नीलाम,जानिए दुनिया के सबसे प्रभावशाली पत्र में ऐसा क्या...

वॉशिंगटन,14 सितम्बर 2024। महान भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन का हस्ताक्षरित पत्र एक नीलामी में 32 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ है। यह पत्र आइंस्टीन ने साल 1939 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट को भेजा था। इस पत्र में आइंस्टीन ने परमाणु हथियारों के विकास को लेकर चेतावनी दी थी। यह पत्र न्यूयॉर्क में फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट की लाइब्रेरी से मिला था। इस पत्र में अल्बर्ट आइंस्टीन ने अमेरिका के राष्ट्रपति को चेताते हुए बताया था कि जर्मनी परमाणु हथियारों का विकास कर रहा है। पत्र में आइंस्टीन ने बताया कि %परमाणु भौतिकी में हाल ही में जो काम किया गया है, उससे संभावना है कि यूरेनियम को एक नए और अहम ऊर्जा स्त्रोत में तब्दील किया जा सकता है।% आइंस्टीन ने चेताते हुए कहा कि %इस ऊर्जा को बेहद ताकतवर विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। आइंस्टीन ने इसी पत्र में अमेरिकी सरकार से भी परमाणु फ्यूजन को लेकर रिसर्च करने और परमाणु बम बनाने की सलाह दी थी।

पड़ोसियों को सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहिए, भारत से संबंधों पर बोले जमात के डिप्टी अमीर

ढाका,14 सितम्बर 2024। बांग्लादेश की जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने कहा कि ढाका और नई दिल्ली को क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखने के लिए सौहार्दपूर्ण ढंग से काम करना चाहिए। पार्टी के डिप्टी अमीर सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने एक इंटरव्यू में कहा कि बांग्लादेश इसको लेकर हमेशा ईमानदार रहा है।

ताहिर ने कहा, ÷कोई भी अपने पड़ोसियों को नहीं बदल सकता है। इसलिए, सभी पड़ोसियों को सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए, ताकि शांति और स्थिरता बनी रहे।÷ साल 2013 में एक हाईकोर्ट के आदेश के बाद बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने जमात-ए-इस्लामी का पंजीकरण रद्द कर दिया था और उसे चुनाव में भाग लेने से रोक दिया था। जमात ने इसके खिलाफ 2023 में अपील दायर की थी। लेकिन देश की सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश को बरकरार रखा था।

शेख हसीना के शासन के दौरान 1 अगस्त 2023 को एक कार्यकारी आदेश जारी किया गया था और जमात-ए-इस्लामी व उससे जुड़े संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हसीना सरकार ने जमात पर देशभर में हिंसक प्रदर्शनों में शामिल होने का आरोप लगाया था। हाल ही में, शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के बाद जब मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार सत्ता में आई तो जमात-ए-इस्लामी पर से प्रतिबंध लिया गया।

जमात के डिप्टी अमीर ने कहा, बांग्लादेश समानता, आत्मनिर्णय और आत्म-सम्मान के आधार पर सभी पड़ोसियों, खासतौर पर सबसे बड़े पड़ोसी भारत के साथ समान और सम्मानजनक संबंध बनाए रखना चाहता है।

जमात ने अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोहम्मद यूनुस के बीच होने वाली संभावित बैठक का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा, बैठक ईमानदारी और दिल से होनी चाहिए। पिछले महीने देश में एक खास वर्ग के लिए आरक्षण प्रणाली के खिलाफ छात्रों के हिंसक प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना ने प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दिया और देश छोड़कर भारत चली गईं। इसके बाद, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार गठित की गई।

जमात-इस्लामी ने भारत से आग्रह किया है कि शेख हसीना को बांग्लादेश भेजा जाए, ताकि वह मुकदमों का सामना कर सकें। ताहिर ने यह भी कहा कि जमात अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की सुरक्षा में भरोसा करता है और मानता है कि हाल की हिंसा को सांप्रदायिक से ज्यादा राजनीतिक थी।

फरवरी 2025 में वाहनों के आयात पर लगा बैन हटाएगा श्रीलंका,अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कवायद

श्रीलंका,14 सितम्बर 2024। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के कार्यालय की तरफ से शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) कार्यक्रम से जुड़ी व्यापक आर्थिक सुधार रणनीति के हिस्से के रूप में 1 अक्टूबर से तीन चरणों में वाहनों के आयात पर लगे प्रतिबंध को हटाया जाएगा।

आर्थिक संकट के दौरान लगाया गया था प्रतिबंध

राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने कहा कि मोटर वाहन आयात की अनुमति देने के लिए कैबिनेट की मंजूरी चार साल के कड़े आयात प्रतिबंधों के बाद मिली है, जो तीव्र आर्थिक संकट के दौरान द्वीप राष्ट्र के विदेशी मुद्रा भंडार को संरक्षित करने के लिए लगाए गए थे। 2020 में कोविड-19 के प्रकोप के साथ, श्रीलंका ने विदेशी मुद्रा भंडार को संरक्षित करने के लिए आयात प्रतिबंध लगाए। तब जरूरत दवा, ईंधन और भोजन जैसे आवश्यक आयातों के लिए घटते विदेशी भंडार का उपयोग करने की थी।

विदेश मंत्री अली साबरी ने दी जानकारी

मामले में श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय सुधार और रुपये की मजबूती के साथ, मंत्रियों के मंत्रिमंडल ने फरवरी 2025 तक सभी वाहन आयात प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है। यह निर्णय अर्थव्यवस्था में सामान्य स्थिति बहाल करने और अपने लोगों की जरूरतों को पूरा करने के हमारे चल रहे प्रयासों का हिस्सा है।

आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद

नए वाहनों के आयात से सरकारी राजस्व में वृद्धि करके आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, विशेष रूप से वाहन आयात से, जो ऐतिहासिक रूप से देश के लिए एक महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत रहा है। चूंकि आयात को फिर से शुरू करने से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ेगा, इसलिए इसके प्रभाव को कम करने के लिए अतिरिक्त सीमा शुल्क लगाया जाएगा। अप्रैल 2022 में विदेशी मुद्रा भंडार के समाप्त होने से श्रीलंका में अभूतपूर्व आर्थिक संकट पैदा हो गया, जिसके कारण द्वीपीय राष्ट्र को पहली बार संप्रभु डिफॉल्ट की घोषणा करनी पड़ी।

तीन चरणों में हटाया जाएगा प्रतिबंध

पहले चरण के तहत, 1 अक्टूबर से सार्वजनिक परिवहन वाहनों के आयात की अनुमति दी जाएगी। वाणिज्यिक वाहनों के आयात की अनुमति देने का दूसरा चरण 1 दिसंबर से होगा। बयान में कहा गया है कि तीसरा चरण 1 फरवरी, 2025 से लागू होगा, जिसमें निजी इस्तेमाल के लिए मोटर कारों के आयात की अनुमति होगी। सभी आयात भी निर्माण के तीन साल से कम समय तक सीमित रहेंगे।

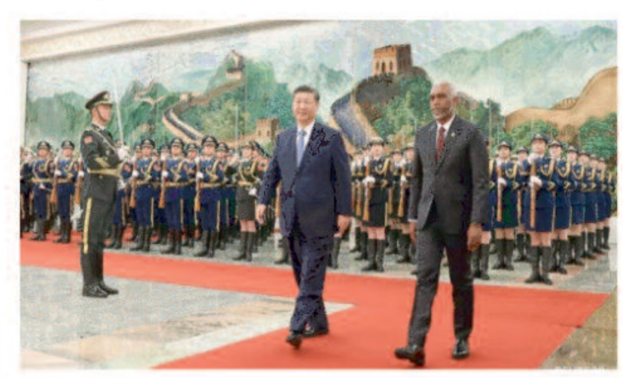

चीन के जाल में फिर फंसा मालदीव, मुइज्जू ने बीजिंग के साथ किया कर्ज में डुबोने वाला नया समझौता

माले,14 सितम्बर 2024। चीन के कर्जजाल में पहले से ही उलझे मालदीव ने बीजिंग के साथ एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें मालदीव को और अधिक वित्तीय सहायता देने पर सहमति बनी है। चीन के केंद्रीय बैंक के अनुसार, यह समझौता व्यापार और निवेश को मजबूत करने में मदद करेगा। चीन ने समझौते के बारे में और कुछ नहीं बताया है।

पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना और मालदीव के आर्थिक विकास मंत्रालय के बीच हुआ समझौता बीजिंग तथा माले को प्रत्यक्ष निवेश को बढ़ावा देने और चालू खाता लेनदेन के स्थानीय मुद्रा निपटान की अनुमति देता है।

नए समझौते के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह मालदीव के बढ़ते कर्ज के बारे में उससे सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है और वित्तीय सहयोग बढ़ा रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, %चीन हमेशा की तरह अपनी क्षमता के अनुसार मालदीव के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहायता और सहयोग करेगा।

लगातार संकट में मालदीव की अर्थव्यवस्था

मालदीव इस समय भारी कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। इसका बड़ा हिस्सा चीन से लिया गया है। चीन परस्त मोहम्मद मुइज्जू के आने के बाद मालदीव की अर्थव्यवस्था लगातार संकट में हैं। हाल के महीनों में यह चिंता बढ़ गई है कि नकदी की कमी से जूझ रहा मालदीव इस्लामिक संप्रभु कर्ज पर डिफाल्ट होने वाला पहला देश बन सकता है। हालांकि, मालदीव सरकार ने गुरुवार को प्रतिबद्धता जताई की वह अगले महीने 25 मिलियन डॉलर का भुगतान करने में विफल नहीं होगा।

1.3 अरब डॉलर का कर्ज

विश्व बैंक के अनुसार, मालदीव का सबसे बड़ा कर्जदाता चीन है। मालदीव के ऊपर बीजिंग का कर्ज बढ़कर 1.3 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। चीन और सहायता देने के लिए मालदीव के साथ बातचीत कर रहा है। इस बीच चीन से मिलने वाला कोई भी कर्ज मालदीव पर बीजिंग के कर्ज जाल को और मजबूत करेगा।

मालदीव को चीन के करीब ले जा रहे

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी ने इस साल अप्रैल में हुए संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की थी। पद पर बैठने के बाद से ही मुइज्जू ने मालदीव में चीन परस्त नीतियों को लागू करना शुरू किया और अपने पारंपरिक साझेदार भारत से दूरी बनानी शुरू कर दी थी।

इस गहरी होती दोस्ती का भारत पर क्या असर

मालदीव में मुइज्जू की सरकार आने के बाद से भारत और मालदीव के रिश्तों में खटास आने की शुरुआत हो चुकी थी। मुइज्जू सरकार को भारत विरोधी रुख के लिए जाना जाता है। चीन और मालदीव की बीच बढ़ती इस दोस्ती भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकी श्रीलंका पहले ही चीन के जाल में फंस कर आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुका है। भारत नहीं चाहेगा कि एक और देश चीन के लोन पर आर्थिक रूप से निर्भर हो।

जीवन खटाखट नहीं, इसके लिए मेहनत की आवश्यकता,जेनेवा में जयशंकर का इशारों में राहुल गांधी पर तंज

जेनेवा,14 सितम्बर 2024। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर इन दिनों विदेश दौरे पर हैं। जर्मनी का दौरा पूरा करने के बाद वे गुरुवार को जेनेवा पहुंचे। शनिवार को यहां एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस सांसद पर तंज कसते हुए कहा कि जीवन खटाखट नहीं है, इसके लिए कठिन मेहनत और परिश्रम की आवश्यकता है। बता दें कि राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के सत्ता में आने पर महिलाओं के खातों में तेजी से पैसे ट्रांसफर करने का वादा करते हुए खटाखट शब्द का इस्तेमाल किया था।

जेनेवा में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करते हुए जयशंकर ने कहा, जब तक आप बुनियादी ढांचे और मानव संसाधनों का निर्माण नहीं करते, नीतियों को लागू नहीं करते तब तक या कठिन काम है। जीवन खटाखट नहीं है। जीवन मेहनत और लगन से भरा है।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷जिन्होंने नौकरी की है, मेहनत की है। वह जानता है। यह मेरा आपके लिए संदेश है कि हमें कड़ी मेहनत करनी होगी।

ट्रेंड में था राहुल गांधी का खटाखट शब्द

राहुल गांधी की खटाखट पंच लाइन सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर गई थी। यहां तक की कांग्रेस पर निशाना साधने के लिए कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इस शब्द का इस्तेमाल करत हुए देखा गया। जेनेवा में जयशंकर ने कहा कि उत्पादन क्षमताओं के विकास के बिना कोई भी देश बड़ी शक्ति नहीं बन सकता है। उन्होंने आगे कहा, ऐसे भी लोग हैं जो कहते हैं कि हम इसमें असमर्थ हैं। हमें इसका प्रयास भी नहीं करना चाहिए। क्या आप उत्पादन के बिना दुनिया की बड़ी शक्ति बन सकते हैं? क्योंकि ताकत को तकनीक की जरूरत होती है। बिना उत्पात के तकनीक का विकास मुश्किल है।

हाल ही में राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा था कि वैश्विक विनिर्माण में चीन के प्रभुत्व ने देश को बेरोजगारी से बचाया, जिसका सामना भारत समेत कई पश्चिमी देश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में बेरोजगारी की समस्या है, जो भारत में भी है। लेकिन चीन, वियतनाम जैसे देश ऐसी चुनौतियों का सामना नहीं करते क्योंकि उनके पास उत्पादन केंद्र हैं।

टांगी से हमला कर महिला की हत्या,आरोपी पकड़ाया

- संवाददाता -
सीतापुर,14 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। टांगी से हमाल कर एक व्यक्ति ने खेत में घास काट रही महिला को मौत के घाटा उतार दिया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम वंदना हाईस्कूल के पास रहने वाली 35 वर्षीय कांति पैंकरा पति सुकरित पैंकरा शुक्रवार की शाम 4 बजे अपने खेत में घास काटने गई थी। इसी दौरान गांव का पंचुराम मांझी उम्र 55 वर्ष हाथ मे टांगी लिए लकड़ी काटने जंगल की ओर जा रहा था। जंगल जाने के दौरान वो महिला के खेत के पास से होकर गुजर रहा था। तभी उसके हाथ मे टांगी देख महिला तेज आवाज में उससे पूछताछ करने लगी। यह बात पंचुराम को नागवार गुजरी और उसने टांगी से महिला के सिर पर हमला कर दिया। इससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इधर अंधेरा होने के बाद भी महिला घर नही पहुंची तो परिजन को उसकी चिंता होने लगी। महिला का पति सुकरित उसे तलाश करते हुए खेत के पास पहुंचा। यहां उसने टॉर्च जलाकर देखा तो उसके होश उड़ गए। खेत मे उसकी पत्नी की अस्त-व्यस्त लाश पड़ी हुई थी। फिर वह घर पहुंचा और अन्य परिजन को पत्नी की हत्या के बारे में जानकारी दी। इसके बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को इस मामले से अवगत कराया। देर रात पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद कर उसे हॉस्पिटल भिजवाया। इस मामले में पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त टांगी जब्त कर आरोपी पंचुराम को गिरफ्तार कर लिया है। उइस कार्रवाई में एसडीओपी राजेंद्र मंडावी, साइबर सेल प्रभारी प्रदीप जॉन लकड़ा समेत पुलिस के जवान शामिल रहे।

रायपुर की तर्ज पर बैकुंठपुर में नालंदा परिसर,बैकुंठपुर शहर की सड़क चौड़ीकरण पहली प्राथमिकता:भईयालाल राजवाड़े

मार्च तक नालंदा परिसर के लिए 19 करोड़ व सड़क चौड़ीकरण के लिए 148 करोड़ की राशि हो सकती है जारी

-रवि सिंह-
कोरिया,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले को अब पुनः विकास की गति पर आगे बढ़ाने का काम विधायक भईयालाल राजवाड़े कर रहे हैं। भईयालाल राजवाड़े से घटती-घटना समाचार पत्र के कोरिया जिला ब्यूरो प्रमुख के साथ विशेष बातचीत के दौरान बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े ने बताया की जिले की सीमाएं भले घटा दी गई हैं और जिला अब भले छोटा जिला हो गया है लेकिन जिले में विकास की गति वह रुकने नहीं देंगे और कोरिया जिले को वह हर अवसर वह प्रदान कराने प्रयास करेंगे जो उसका हक है उसका अधिकार है। उन्होंने बताया की कोरिया जिले में नालंदा परिसर की घोषणा प्रदेश के मुख्यमंत्री से झुमका महोत्सव के दौरान कराया गया था और जिसकी मंच से ही मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी जिसको लेकर अब यह तय है की नालंदा परिसर कोरिया जिले में स्थापित होकर रहेगा। नालंदा परिसर के विषय में बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े ने बताया की यह परिसर लगभग 19 करोड़ की लागत से तैयार होगा और परिसर में कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध होंगी जिसमे अध्ययन के लिए पुस्तकालय तो होगा ही वहीं इंडोर स्टेडियम की भी व्यवस्था होगी मीटिंग हाल की भी व्यवस्था होगी जहां बुद्धजीवी वर्ग बैठकर कोई भी परिचर्चा आसानी से कर सके। बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े ने आगे बताया की मैंने अपने जीवन में क्षेत्र विकास का संकल्प लिया हुआ है और यही मेरी ऊर्जा का मुख्य कारण है जो इस उम्र में भी मैं क्षेत्र के लोगों

की सेवा के लिए हर समय उपलब्ध रह पा रजा हूं उनके दुख सुख में शामिल हो पा रहा हूं वहीं क्षेत्र के लिए मैं हर विकास के कार्य संभव करा सकूं यह मेरा प्रथम प्रयास होता है वहीं मैं क्षेत्र के विकास की हर संभावनाओं को क्षेत्र के लिए उपलब्ध करा सकूं यह मेरा दृढ़ निश्चय रहता है। आज कोरिया जिला पर्यटन के लिए भी अपनी पहचान बना रहा है झुमका का क्षेत्र हो या सोनहत का घुनघुट्टा क्षेत्र दोनो ही जगह पर्यटन के हिसाब से काफी प्रयास किए जा रहे हैं और पर्यटक आकर्षित हों सकें यह सरकार का प्रयास है।
बैकुंठपुर शहर के बीच का सड़क चौड़ीकरण एक महत्वपूर्ण मांग शहरवासियों की रही है और अब उसके लिए भी सभी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है और 148 करोड़ की राशि मार्च माह तक जारी होने की संभावना है और राशि जारी होते ही चौड़ीकरण का मामला भी हल हो जायेगा। दैनिक घटती घटना के प्रतिनिधि से बैकुंठपुर विधायक ने काफी कुछ अपने जीवन के राजनीतिक जीवन के अनुभव को साझा किया और उन्होंने बताया की वह जबसे राजनीति में आए हैं उनका एकमात्र उद्देश्य जनता की सेवा करना है उनकी समस्या का निराकरण करना है। उन्होंने यह भी बताया की उन्हे इसबार की बड़ी जीत ऐसे ही नहीं मिल गई,उन्होंने कहा की लोगों ने आंकलन किया की कौन बेहतर है और कौन सर्वसुलभ है जिससे जनता सीधे जुड़ाव रख सके और इस आंकलन में उन्होंने मुझे शायद ज्यादा बेहतर माना और मुझे अपनी सेवा का पुनः मौका दिया। चिकत्सा क्षेत्र में अस्पतालों की दशा पर भी उनसे जब बात की गई तो उन्होंने कहा की कुछ यदि कुछ सालों में बिगड़ा है तो वह एकाएक सही नहीं होगा लेकिन वह सही होगा यह मैं विश्वास दिलाता हूं। मैं स्वास्थ्य मामले में समझौता बिल्कुल नहीं करूंगा यह मैं विश्वास दिलाता हूं। बड़ी सहजता से उन्होंने अपने कई राजनीतिक अनुभवों को साझा किया।

इस उम्र में भी जनसेवा के जज्बे सहित क्षेत्र भ्रमण पर भी बोले भईयालाल राजवाड़े

बैकुंठपुर विधायक से जब पूछा गया की क्या उनकी 75 वर्ष की आयु उन्हे आज यह एहसाह नहीं कराती की वह थक चुके हैं या वह अब उतना मेहनत नहीं कर पा रहे हैं या वह भ्रमण नहीं कर पा रहे हैं,इस बात के जवाब में उन्होंने कहा की मुझे जनता ने ऊर्जावान माना अपने सेवक और हितैषी के रूप में योग्य माना तभी उन्होंने मुझे इतना बड़ा समर्थन दिया। अब जनता का यही विश्वास मेरी ऊर्जा है और यही ऊर्जा मेरी ताकत और क्षमता है जो इस उम्र में भी मुझे वह जज्बा देती है की मैं जरूरत के समय जनता के बीच में उपलब्ध हो पाता हूं उनके साथ उनकी समस्या में खड़ा हो पाता हूं निराकरण कर पाता हूं। सब कुछ क्षेत्र की जनता का ही स्नेह है की मैं आज इस उम्र में भी उनके लिए उनका नेतृत्व कर रहा हूं और उन्ही का आशीर्वाद प्रेम है जो मैं स्वस्थ हूं और दौड़भाग कर पा रहा हूं।

सरगुजा संभाग का इकलौता होगा नालंदा परिषद

कोरिया जिले में बनने वाला नालंदा परिसर सरगुजा संभाग का पहला नालंदा परिसर होगा। बैकुंठपुर विधायक ने यह बताते हुए कहा की यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं होगी। यह परिसर काफी कुछ सहूलियत छात्र-छात्राओं और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराने में कारगर साबित होगी। शुरुआत में इसे 19 करोड़ की लागत से बनाने की योजना है और इसमें समय समय पर विस्तार भी होगा यह भी उन्होंने बताया।

सड़क चौड़ीकरण की बैकुंठपुर शहरवासियों की मांग होगी पूरी

बैकुंठपुर शहर में हर समय जाम लगता है वाहनों का और इसकी वजह है सड़क का शहर में संकरा होना। सड़क चौड़ीकरण की मांग शहरवासियों की काफी पुरानी मांग है जिसे वर्तमान सरकार हमारी सरकार ने आवश्यक और जरूरी समझा और इसके लिए 148 करोड़ की राशि जारी करने की तैयारी में है सरकार। शहर के लोगों का कम नुकसान करते हुए किस तरह सड़क चौड़ीकरण हो सके यह हमारा प्रयास होगा।। आवश्यक चौड़ाई के हिसाब से ही चौड़ाई बढ़ाई जाए यह ध्यान रखा जायेगा।

बैकुंठपुर विधायक को लोगों की सुविधाओं का है ख्याल

बैकुंठपुर विधायक से बातचीत के दौरान यह आभास हुआ की उन्हे क्षेत्र के लोगों की सुविधाओं का पूरा ख्याल है। उन्होंने पूरे वार्तालाप के दौरान यह बार बार कहने का प्रयास किया की उन्हे क्षेत्र को लेकर बराबर चिंता रहती है और जिला विभाजन के बाद कोरिया जिले के साथ अन्याय न हो यह उनका प्रयास बना हुआ है। उन्होंने कहा की प्रदेश की हमारी सरकार कोरिया जिले के लिए कोई भेदभाव नहीं रख रही है और कई विकास कार्यों की सौगात जिले को मिली है मिलेगी यह वह विश्वास दिलाते हैं।

लोगों की हर सुविधा हो पूरी इसके लिए करते हैं हर संभव प्रयास

भईयालाल राजवाड़े ने यह भी कहा की वह क्षेत्र के लोगों की हर मदद कर सकें यह उनका हरदम प्रयास रहता है। उन्होंने कहा की जनता यदि मिलने आती है मुझे कोई संकोच नहीं की वह मेरे शयनकक्ष तक आकर मिल सकें। जनता ही जनार्दन है उसकी समस्या का निराकरण ही मेरा परम कर्तव्य यही मानकर मैं चलता हूं। उन्होंने यह भी कहा की इस बार की बड़ी जीत जनता का वह प्यार है जो जनता ने उन्हें इसलिए दिया है क्योंकि कभी न कभी उन्होंने जनता के लिए कुछ किया है। भईयालाल राजवाड़े ने यह भी कहा की जिले का चहुंमुखी विकास मेरी प्रतिबद्धता है। जिले में जनता की समस्या का निराकरण मेरी प्राथमिकता है और इसके लिए मैं 24 घंटे तत्पर हूं उपलब्ध हूं।

लाखों की चेकर टाइल्स सडक चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

जनपद पंचायत खड़गवां के पिछली सरकार में निर्माण हुए चेकर टाइल्स सड़क निर्माण कार्य के गुणवत्ता और मानकों के जांच की मांग उठ रही है ?

जनपद पंचायत खड़गवां के 77 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण यांत्रिकी विभाग से सिर्फ एक इंजीनियर ही पदस्थ हैं और निर्माण कार्यों की कमीशन का रेट भी बढ़ा हुआ है?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग का एसडीओ भी निर्माण कार्यों के कमीशन की चासनी में डूबकर मस्त हैं। इन्हें निर्माण कार्यों से कोई मतलब नहीं है ग्रामीण यांत्रिकी विभाग में सिर्फ कमीशन खोरी हावी है ?

एमसीबी जिले के विकास खंड खड़गवां के अधिकांश पंचायतों में होने वाले कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है जो कई पंचायतों में देखने को मिल रहा है यही कारण है कि शासन द्वारा जिस मनसा से कार्य स्वीकृत किया गया है वही पूरी तरह से विफल होता दिखाई दे रहा है और ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं।

यह मामला विकासखंड खंडगवा के विभिन्न ग्राम पंचायतों के मोहल्लो में लाखों रुपए की लागत से चेकर टाइल्स सड़क बनाने का कार्य स्वीकृत हुआ है जिसका निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत है किंतु चेकर टाइल्स सड़क का निर्माण ग्राम पंचायत के द्वारा कराया जाना बता कर भ्रष्टाचार किया गया चेकर टाइल्स सड़क निर्माण कार्य में विभाग द्वारा जारी प्राक्कलन के अनुरूप कार्य नहीं कराया गया मानक एवं मापदंड के अनुरूप मटेरियल एवं चेकर टाइल्स की गुणवत्ता सही नहीं है सीमेंट गिट्टी एवं रेत भी नहीं उपयोग किया गया है जिससे यह चेकर टाइल्स सड़क

महज चंद दिनों में ही उखड़ने एवं टूटने लगी है।

निर्माण कार्य स्थल पर बोर्ड भी नहीं लगाया गया शासन का स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी कार्य को शुरू करने से पूर्व निर्माण एजेंसी द्वारा संबंधित कार्य का बोर्ड लगाना अनिवार्य होता है उसके बाद ही कार्य को शुरू किया जाना है लेकिन निर्माण एजेंसी एवं संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा यहां पर इसका भी पालन नहीं किया जाता है और चेकर टाइल्स सड़क निर्माण कार्य को पूर्ण करा देते के कई दिनों के बाद बोर्ड लगाया जाता है इस तरह के कई सड़कों पर आज तक बोर्ड नहीं लगाए गए हैं।

इससे स्पष्ट है कि निर्माण एजेंसी एवं संबंधित जिम्मेदार अधिकारी अपने कर्तव्य के प्रति कितने जिम्मेदार हैं और नियम कि खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे। जनपद पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी विभाग में कमीशन खोरी इतनी हावी है कि स्वीकृत राशि का 40 से 50 प्रतिशत तक पहले ही राशि खत्म हो जाती है। जनपद पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी और ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अधिकारीओ को अलग अलग प्रतिशत कमीशन की मांग करते हैं सभी को देना पड़ता है तो चेकर टाइल्स की सड़क का निर्माण मानक एवं मापदंड के अनुसार कैसा होगा ये सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है?

स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि कुछ दिनों पूर्व ही चेकर टाइल्स सड़क का निर्माण कार्य किया गया है जिसमें जमकर भ्रष्टाचार किया गया है चेकर टाइल्स सड़क की गुणवत्ताहीन बनाया गया है जिस पर साइकिल चलने से सड़क उखड़ रही है और वाहन चलाने से सड़क धंस रही है एवं लगे टाइल्स भी टूट रहे हैं खड़गवां के ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के इंजीनियर एवं एसडीओ निर्माण कार्य का सही कराया जाना बता रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणो के द्वारा चेकर टाइल्स सड़क को पुनः बनाने की मांग की है।

खड़गवां जनपद पंचायत के इंजिनियर एवं एसडीओ गले तक भ्रष्टाचार में लिप्त है। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण विकास खंड में हो रहे और हुए निर्माण कार्य खुद बयां कर रहे हैं। इसमें कोई किसी सबूत देने की कोई जरूरत नहीं है सिर्फ इनके निर्माण कार्यों की सही और इमानदारी से जांच हो जाए तो सारा दुध का दुध और पानी का पानी हो जाएगा। कार्यालय में अनुविभागीय अधिकारी और इंजिनियर बैठे-बैठे ही सभी कार्यों की पूर्ति करते हैं क्योंकि इंजीनियर एवं अनुविभागीय अधिकारी को सड़क की गुणवत्ता से नहीं अपने कमीशन से मतलब होता है। जिस तरह ग्राम पंचायत ठेकेदारी प्रथा से कार्य को कराया जा रहा है वह बद से बदतर हैं और चेकर टाइल्स सड़क निर्माण होते ही चंद दिनों में धराशाही हो गई है इस चेकर टाइल्स सड़क का कोई लाभ ग्रामीणों को नहीं मिलने वाला है ये सड़क ठेकेदारी एवं निर्माण कार्य को देखने वाले इंजीनियर और एसडीओ के सामने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया चढ़े भी क्यों ना ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के इंजीनियर और एसडीओ को कार्यालय में बैठकर ही निर्माण कार्य का मूल्यांकन करना है। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण विभिन्न ग्राम पंचायतो में बनाया गया चेकर टाइल्स सड़क निर्माण कार्य है। ऐसे में शासन की महत्वपूर्ण योजना पर पूरी तरह से पलीता लग रहा है जिसके कारण शासन द्वारा स्वीकृत राशि भी खर्च हो रही है और लोगों को उसका फायदा भी नहीं मिल पा रहा है ऐसे गैर जिम्मेदार सरपंच सचिव एवं कार्य को करने वाले गैर जिम्मेदार इंजिनियर सीईओ पर जिला प्रशासन को कड़ी कार्यवाही करने की आवश्यकता है ताकि इन्हें कार्यवाही का भय बना रहे और भविष्य में इस तरह की गुणवत्ताहीन निर्माणों की पुनरावृति अन्य किसी भी पंचायतों में ना हो सके और शासन की मंशा भी सफल हो सके।

जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों को जितनी इज्जत प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस अधिकारी कर्मचारी देते हैं उतनी इज्जत उस जनता को क्यों नहीं देते जो जनप्रतिनिधियों का चुनाव करती है?

-विशेष संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती और कमियां दोनों हैं बस अपने-अपने नजरिए से सोचने व समझने की आजादी भी है, आज के परिवेश में यदि देखा जाए तो जनता नेता चुनती है और उस नेता के सामने प्रशासनिक से लेकर पुलिस के लोग माथा टेकते हैं पर वही जनता जो नेता चुनती है उसके सामने कोई माथा नहीं टेकता, माथा सिर्फ टेकता भी है तो 5 साल में एक बार वह भी उस समय जब चुनाव आता है और उन्हें कुर्सी चाहिए होती है, मंत्री विधायक बनना होता है मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री बनना होता है उसके बाद फिर 5 साल वही जानता दर-दर की ठोकरो के बीच 5 साल बिताती है,जबकि आम लोगों को उनके पास अपने कार्य करवाने के लिए जाने पर परेशानियों का सामना करना पड़ता है, यह आज के परिवेश की स्थिति है जिसे जनता चुनकर लाती है उससे वह अपना काम आसानी से नहीं करवा पाती, क्योंकि नेता या जनप्रतिनिधि या कहे तो निर्वाचित जनप्रतिनिधि जिन्हे संविधान में विधायिका भी

कहा जाता है जो लोकतंत्र का तीसरा स्तंभ है तीसरा स्तंभ कहलाने की आजादी हमारे संविधान ने दी है, विडंबना वहां पर हो रही है जहां पर निर्वाचित होने वाले जनप्रतिनिधि सरकार के विधायक मंत्री कुछ की गिरफ्त में ही पूरी दुनिया को देख रहे हैं पर वह भीड़ या फिर वह लोग जो अप्रत्यक्ष रूप से आपको उस काबिल बनाए उसके लिए सोचने वाला शायद कोई नहीं? स्वार्थी किस्म के नेता जो राजा समझ रहे हैं खुद को वह कहीं ना कहीं घमंड में लबरेज हैं। आज जो प्रायः देखने को मिलता है उसके अनुसार यह देखा जाता है की आम जनता का महत्व केवल उन दिनों ही देखने को मिलता है जब चुनाव का समय होता है, चुनाव के बाद जनता केवल जनप्रतिनिधियों के चक्कर ही लगाती रहती है और वह पूरे पांच साल इस उम्मीद के साथ जनप्रतिनिधियों के चक्कर लगाती है की उसका कुछ भला जरूर होगा लेकिन ऐसा हर बार नहीं होता न ही सभी का होता है। ज्यादातर मामले में यह भी देखा गया है की निर्वाचित होने वाले जनप्रतिनिधि अपनी ही जनता से दूर हो जाते हैं वहीं प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी और पुलिस अधिकारी कर्मचारी भी नेताओ के प्रति जनप्रतिनिधियों के प्रति तो सम्मान का भाव रखते हैं लेकिन वह आम जनता के प्रति वह भाव नहीं रख पाते। आम लोग प्रशासनिक अधिकारियों सहित कर्मचारियों एवम पुलिस अधिकारियों एवम कर्मचारियों के लिए आम ही होते हैं और एक तरह से वह गाहे बगाहे तिरस्कृत ही होते रहते हैं। जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस ओर जाना तो चाहिए लेकिन उनका ध्यान निर्वाचित होने उपरांत इस ओर कम ही जाता है और आम जनता जो निर्वाचक होती है जनप्रतिनिधियों की वह अपना सम्मान ही ढूंढती रह जाती है। आज के परिवेश में सम्मान जनप्रतिनिधियों के प्रति ही प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारियों सहित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का रह गया है आम लोगों के लिए वह कोई विचार नहीं कर रहे हैं यह देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर होगी कड़ी कार्यवाही: सीएमएचओ

-संवाददाता-
एमसीबी,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार 13 सितंबर 2024 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ अविनाश खरे और जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) डॉ पुष्पेंद्र सोनी ने की। बैठक में सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, विकासखण्ड स्तर के सभी बीएमओ,बीपीएम,बीएएम, बीईई, और महिला-पुरुष सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

सीएमएचओ डॉ अविनाश खरे ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसके लिए तत्काल कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने 'Hims' और 'Uwin' पोर्टलों पर अपलोडिंग कार्यों की भी समीक्षा की और जहां खामियां पाई गईं, उन्हें तत्काल सुधारने के निर्देश दिए। बैठक में आयुष्मान कार्ड का 100 प्रतिशत निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कम उपलब्धि वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने और कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही, सिकलसेल की जांच की प्रवृत्ति और इसकी जानकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर पोर्टल में दर्ज करने के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन और कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, आरसीएच (रिप्रोडक्टिव चाइल्ड हेल्थ) कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं का प्रथम तिमाही में पंजीकरण और चार जांचों की जानकारी प्राप्त की।

ढंग से पोताई भी नही हुआ और सामुदायिक भवन मरम्मत के नाम पर निकाले लाखों रूपए

-राजेन्द्र शर्मा-
एमसीबी,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर विकासखण्ड खड़गवां मुख्यालय के ग्राम पंचायत खड़गवां में सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि सरपंच-सचिव द्वारा सामुदायिक भवन पोताई एवं मरम्मत के नाम पर लाख रुपए का घोटाला करने का मामला सामने आया है। इसके अतिरिक्त भी कई निर्माण कार्य स्ट्रीट लाइट पेयजल ग्राम कि साफ सफाई व्यवस्था के नाम पर भी पंचायत मदो के लाखों रूपए की राशि का मनमाने तरीके से आहरण कर लिया गया, जबकि गांव में कुछ भी कार्य नही हुए है और जो काम कराए गए है वह भी आधा- अधूरे दिखाई दे रहे है। स्थानीय ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से जांच कराने की मांग की है। खड़गवां ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम सरपंच व सचिव के मिलीभगत से सामुदायिक भवन पोताई और मरम्मत कराने पांच लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुईं थीं लेकिन सामुदायिक भवन के मरम्मत कार्य को सिर्फ लीपा पोती कराया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत के विकास हेतु पंचायत में विभिन्न योजनाओं एवं मदों कि राशि से नाली निर्माण,

प्रतीक्षालय निर्माण पेयजल कार्य भवनों के रंगरोगन के लिए लाखों रुपए तो आहरण किये गए लेकिन धरातल पर काम देखने को नही मिले और जो कार्य देखने को मिल रहे है वे भी आधा- अधूरा है। ग्रामीणों के अनुसार सरपंच- सचिव द्वारा सामुदायिक भवन का ढंग से पोताई और मरम्मत कार्य नही कराया गया है और राशि का आहरण कर लिया गया है।

सामुदायिक भवन कि अनदेखी से आज सामुदायिक भवन जर्जर स्थिति में है। जिसके मरम्मत के नाम पर कभी जनपद पंचायत खड़गवां और कभी ग्राम पंचायत खड़गवां लाखों रूपए कि राशि निकाल कागजो में कार्य किया जाना दर्शाया गया है और धरातल पर जर्जर भवन मरम्मत की बांट जोह रहा है। इस खड़गवां पंचायत को ग्राम विकास के लिए मूलभूत, 14 वें, 15 वें वित्त मद में स्वीकृत किये गए लाखों रुपए निकाल घटिया निर्माण कार्य कराए गए और कई जगह बिना निर्माण कार्य के राशि का बंदरबांट कर लिया गया। ग्रामीणों ने सरपंच के कार्यकाल में पंचायत मदो से कराए गए सभी कार्यों की अपेक्षित जांच की मांग संबंधित अधिकारियों से की है और कहा है कि यदि निष्पक्ष जांच हो तो लाखों का धांधली सामने आएगी? इस संबंध में ग्राम पंचायत खड़गवां सचिव से मोबाइल से संपर्क कर जानकारी चाही तो उन्होंने कहा कि देखकर ही कुछ बता पाऊंगा।

ये क्या...राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र विषेश पिछड़ी जनजाति पण्डो के साथ मारपीट करके उसके ही भूमि से किया बेदखल

आरोपः सुखलाल पण्डो और उसके परिवार को वर्षों से ग्राम का ही एक परिवार कर रहा मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित

राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार महाबली पण्डो के पट्टे की भूमि पर गांव का बदन सिंह कर रहा अधिग्रहण पुत्र सुखलाल वंचित

विरोध करने पर जान से मारने को उतारू, पूर्व में कई बार कर चुका है मारपीट

पूर्व में शासकीय कर्मियों की सांठगांठ से सिद्ध कर रहा था खुद का कब्जा, वर्तमान तहसीलदार से सुखलाल को न्याय की उम्मीद

1935-36 का मिसल खसरा, 1987-88 का प्रमाणित बी वन और वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड में भी भूमि महाबली के बाद सुखलाल के नाम फिर बदन सिंह के खिलाफ कार्यवाही क्यों नही ?

जबकि बदन सिंह की स्वयं के अन्य स्थानों पर ग्राम में ही बड़ी बड़ी जमीनें वो भी सुरक्षित, सुखलाल पण्डो अपनी बूढी माता और पत्नी बच्चो बहु के साथ दर दर भटने को मजबूर

-राजेन्द्र शर्मा-
एमसीबी 14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

तेरे को जान से मार दूंगा,तेरे को खन के गाड़ दूंगा, तू और तेरे परिवार को चट्टान से पास दूंगा। अश्लील गालियां और कई कई बार मारपीट के साथ यह कहना है ग्राम मोगरा तहसील कोटाडोल जिला एमसीबी निवासी बदन सिंह पिता लाखन सिंह का को राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र,विशेष पिछड़ी जनजाति सुखलाल पण्डो की स्वत्व को भूमि में कब्जा करके उसे भय दिखाकर आतंक बनाकर परिवार और ग्राम के कुछ लोगो के साथ मिलकर बेदखल कर दिया है। वह यही नहीं रुकता वह प्रशासन को भी लपेटे में लेकर कहता है कि थाना और तहसील मेरे जेब में है। जा सुखलाल तेरे को जहां जाना है मेरा कुछ नही बिगाड़ पाएगा। तेरे को मार भले दूंगा लेकिन तेरी

जमीन नही दूंगा। उक्त कथन से स्पष्ट हो रहा है शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले बदन सिंह को कोई भय नहीं है कानून का अथवा प्रशासन का। क्योंकि ऐसे अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति जो दहशत और आतंक का पर्याय हो जिसके आगे गांव वाले भी कुछ ना कह सकें और उसकी हां में हां मिलाए अन्यथा उनको भी पीटा जाएगा। कोई कठोर करवाई का नही होना उसकी बांछें खिलना स्वाभाविक है। यह आरोप पीड़ित है जिसने शिकायत की है।

यह है मामला

महाबली पण्डो आ0 झपरा निवासी ग्राम मोगरा तहसील कोटाडोल की स्वत्व की भूमि खसरा नंबर 117/4 पर गांव के ही दबंग रसूखदार बदन सिंह आ0 लाखन सिंह के द्वारा जबरन कब्जा सिद्ध किया जा रहा है। महाबली के फौत उपरांत उसके पुत्र सुखलाल पण्डो के नाम पर उक्त भूमि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है यही नहीं सन 1935-36 का मिसेल खसरा महाबली पिता झपरा के नाम वर्ष 1987-88 का शासकीय पट्टा सुखलाल के पास है फिर भी बदन सिंह के द्वारा जबरन राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र विशेष पिछड़ी जनजाति पण्डो के साथ मारपीट जान से मारने की धमकी एवं उसी के जमीन पर अधिग्रहण कर उसे ही दर-दर भटकने को मजबूर कर दिया गया है। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने पण्डो जनजाति को गोद लिया तभी से विशेष पिछड़ी जनजाति राष्ट्रपति की दत्तक जनजाति के रूप में जानी जाती है और इस जनजाति के लोगों को जिला एमसीबी में न्याय नहीं मिल रहा है सुविधा नहीं मिल रही है दुखी है पीड़ित है और दबंगों द्वारा उनकी भूमि हड़प ली जा रही है और यह जनजाति दर-दर भटकने को मजबूर हैं बेदखली का शिकार हो रहे हैं। सुखलाल पण्डो आत्मज महाबली पण्डो का मामला सामने आ रहा है जो विगत कई वर्षों से तहसील कोर्ट पुलिस चौकी में जाकर रो-रोकर गुहार लगा रहा था कि उसके पिता की भूमि उसके खुद की भूमि उसके स्वत्व की भूमि में ही गांव के ही एक दबंग रसूखतर द्वारा उसे बाहर निकाल कर अपना कब्जा सिद्ध करना चाहता है। विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए राज्यपाल के प्रतिवेदन अनुसार राजस्व विभाग का कार्य है कि- पण्डो जनजाति समुदाय के लोगों के नाम की भूमि पर से अन्य लोगों के कब्जों को हटवाना तथा उसे पूर्व कब्जेदार होने के नाते पण्डो जाति को दिलाना।÷ उक्त नियमावली के अनुसार भी सुखलाल पण्डो को त्वरित उसकी भूमि दिलाने संबंधित विभाग को कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार विगत कई वर्षों से सुखलाल और उसका परिवार बदन सिंह और उसके परिवार के द्वारा मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ना का शिकार हो रहा है। क्योंकि जब भी सुखलाल उससे अपने भूमि के संबंध में कहता है कि मुझे मेरी भूमि वापस करो बदन का कहना होता है जान से मार भले दूंगा जमीन नही दूंगा। ऐसा तो महाभारत काल में दुर्योधन ने भी नही कहा था । जिस प्रकार से बदन सिंह द्वारा संवाद किया जाता है। अधर्म धर्म और असत्य सत्य पर भारी ना पहले पड़ा है ना अब होगा। सुखलाल पण्डो के साथ जनहित संघ पण्डो विकास समिति है और न्याय के लिए अगर माननीय उच्च न्यायालय तक का दरवाजा खटखटाना पड़े तो वह भी संस्था करने को एकदम तैयार रहेगी।

पुलिस अधीक्षक से भी न्याय की गुहार

इसके साथ ही सुखलाल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जाकर पुलिस अधीक्षक से भी न्याय की गुहार लगाई है क्योंकि बदन सिंह उसके और उसके परिवार के साथ मारपीट अश्लील गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देता है जिसके कारण राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र विशेष पिछड़ी जनजाति का सुखलाल और उसका परिवार भारी भयाक्रांत है। जहां उसने अपनी सुरक्षा की मांग की है। वहां से भी उसे न्याय का आश्वासन तो मिल गया है देखना होगा के पुलिस प्रशासन किस तरह इस विशेष पिछड़ी जनजाति का सहयोग करती है।पूर्व में टिआई कोटाडोल को सूचित करने पर उन्होंने स्टाफ की कमी कहकर मामला से पल्ला झाड़ दिया था। सुखलाल पण्डो वर्तमान में अपनी अत्यंत वृद्ध माता हिरोंदिया बाई उम्र 85 वर्ष,अपने बेटे धर्मसाय और बहु नाती पोते के साथ दर दर भटकने को मजबूर है और एक अन्यत्र स्थान पर रहकर जीवन चला रहा है। उक्त व्यक्ति को जल्द न्याय मिले प्रशासन को इस ओर प्रमुखता के साथ ध्यानाकर्षण की आवश्यकता है।

सुखलाल को वर्तमान तहसीलदार और प्रशासन से न्याय की उम्मीद जगी

विगत 12 सितंबर 2024 को सुखलाल पण्डो आ महाबली पण्डो जिला कार्यालय कलेक्ट्रेट में अपना आवेदन दिया और भूमि के पुनः पुलिस प्रतिरक्षा के साथ सीमांकन करा उसे वापस दिलाने के लिए गुहार लगाया जिस पर संवेदनशील जिला कलेक्टर डी राहुल वेंकट जी के निर्देशन में अपर कलेक्टर अनिल दीदार जी ने तहसीलदार कोटाडोल श्री तिवारी को त्वरित इस हेतु आदेश किया। साथ ही उन्होंने स्वयं सुखलाल की भूमि संबंधित शासकीय रिकॉर्ड का अध्ययन किया और उसी के आधार पर सीमांकन कर बदन सिंह को उसके भूमि पर निमानुसार व्यवस्थित करने की बात कही।क्योंकि बदन सिंह की खुद की भूमि है जिसका खरा नंबर 117/ 6 और 07 है साथ ही एक बड़ा क्षेत्रफल 54 का वह खुद मालिक है।बावजूद अपनी भूमि के साथ सुखलाल के 117/ 4 पर अपना अधिकार जता रहा है। पूर्व में शासकीय कर्मियों के साथ सांठ गांठ करके उक्त बदन सिंह खुद का कब्जा सिद्ध करने में लगा हुआ है। सुखलाल को वर्तमान तहसीलदार से निष्पक्ष न्याय की उम्मीद जगी है।

पत्थलगांव में शांति समिति की बैठक आयोजित

-संवाददाता-
जशपुरनगर,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

पत्थलगांव अनुभाग अंतर्गत आगामी त्योहार ईद ए मिलाद और गणेश विसर्जन शांति से संपन्न हो सके इसके लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी ,अनुविभागीय अधिकारी पुलिस और थाना प्रभारी द्वारा शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सोमवार को पत्थलगांव में होने वाली ईद ए मिलाद की रैली में उनका रास्ता, वाहन प्रबंधन,भीड़ प्रबंधन इत्यादि पर चर्चा की गई। इसके साथ ही मंगलवार को पत्थलगांव में होने वाले सभी गणेश विसर्जन के दौरान सभी को अपने वोलेंट्रियर रखने, डीजे निश्चित आवाज में बजाने, किसी प्रकार के हथियार न रखने, प्रशासन से समन्वय करने इत्यादि निर्देश दिए गए।

हत्यारे भाई व भाभी को चौकी बसदेई पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

ग्राम शिवप्रसादनगर निवासी गंगा सिंह पिता हिन्दुलाल ने चौकी बसदेई में सूचना दिया कि दिनांक 27.08.24 को मृतक इन्द्रपाल सिंह का बड़ा भाई जवाहिर व उसकी भाभी धनेश्वरी दोनों मिलकर घरेलू आपसी विवाद की बात पर इन्द्रपाल को मारपीट करने से गंभीर अवस्था में घायल होकर बेहोश हो गया मृतक के पिता गांव के आटो रिक्शा को बुलवाकर अस्पताल ले जाने का प्रयास किये किन्तु आरोपी के द्वारा आटो वाले को ले जाने से मना कर वहां से भगा दिया। ईलाज हेतु वाहन नहीं मिलने से मृतक के पिता अपने नाती के मोटर सायकल में सूरजपुर भेजा था कि उमेशपुर नर्सरी के पास मोटर सायकल का सन्तुलन बिगड़ने से मोटर सायकल सहित गिर गए जिससे मृतक के सिर के पीछे तरफ

चोट लगा था जिसे एम्बुलेंस से जिला अस्पताल सूरजपुर ले गए थे जहां डॉक्टर के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर चौकी बसदेई पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच किया। पीएम कर्ता डॉक्टर से मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने हेतु अभिमत लिया गया जिसमें डॉक्टर के द्वारा मोटर सायकल से गिरने से आई चोट के कारण मृत्यु नहीं होना लेख करते हुए मृतक की मृत्यु मारपीट के दौरान उसके शरीर में आई गम्भीर चोट तथा ईलाज नहीं होने के कारण होना लेख किए जाने पर आरोपी जवाहिर व धनेश्वरी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 516/24 धारा 103, 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। घटना के बाद से ही दोनों आरोपी फरार थे।

मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भापुसे) ने फरार आरोपियों को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में चौकी बसदेई की पुलिस विवेचना करते हुए आरोपी की पतासाजी में लगी थी इसी बीच प्राप्त सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपी जवाहिर सिंह उर्फ जवाहीर लाल पिता हिन्दुलाल उम्र 30 वर्ष ग्राम शिवप्रसादनगर व धनेश्वरी पति जवाहिर उम्र 24 वर्ष ग्राम शिवप्रसादनगर को पकड़ा गया। पूछताछ पर दोनों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया जो दोनों आरोपियों को विधिवत् गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई विजय सिंह, एएसआई संजय सिंह, प्रधान आरक्षक आनंद सिंह, आरक्षक देवदत्त दुबे, अमित सिंह व महिला आरक्षक सुषा मिंज सक्रिय रहे।

खड़गवां क्षेत्र में अवैध गांजे की बिक्री और प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल

-राजेन्द्र शर्मा-
एमसीबी,14 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के खड़गवां क्षेत्र में लगातार नशे के मामले में अव्वल होता हुआ नजर आ रहा है लेकिन यहां कुछ ऐसे लोग हैं जो इसकी किरकिरी करने में लगे हुए हैं और प्रशासन के नाक के नीचे लगातार अवैध गांजे का बिक्री का खेल चल रहा है गांजा का व्यापार पूरी तरह से युवाओं को खोखला कर रहा है लेकिन फिर भी प्रशासन आंख बंद करके इस बात को अनजान व्यक्ति की तरह देख रहा कहते हैं कि पुलिस सब जानकारी रखती है लोगों की देखभाल करती है और लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है तो क्या सब कुछ पता होने के बाद भी यह सब हो रहा है यह एक आश्चर्य वाली

फाईल फोटो

बात है हालांकि यह कोई नई बात नहीं है क्योंकि इस बात की भनक सिर्फ थाना प्रभारी को भी है। लेकिन फिर भी पता नहीं किस वजह से कार्रवाई नहीं हो रही है आखिर जानकारी होने के बाद भी या खेल क्यों चल रहा है इस बात का अंदाजा लगा पाना मुश्किल होता हुआ नजर आ रहा थाने से महज कुछ दूरी पर चल रहा है यह खेल सबसे बड़ी दुर्भाग्य की बात तो यह है। अवैध गांजे की बिक्री क्षेत्र में बड़े जोर शोर पर चल रही है खड़गवां पुलिस कार्यवाही क्यों नहीं कर रही है ?

क्या प्रशासन के नुमाइंदे ही करवा रहे हैं ?

अवैध गांजा का कारोबार यह सब स्थानीय पुलिस के नुमाइंदो के द्वारा कराया जा रहा है क्योंकि सब पता होने के बाद भी उस पर किसी प्रकार की कार्यवाही का नहीं होना? पहले तो यह होता था कि लोग घरों में रखकर अवैध गांजे की बिक्री करते थे मगर अब तरीका बदलकर घूम घूम कर क्षेत्र में अवैध गांजे की बिक्री गली-गली में बिक्री हो रही है?

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रश्मि सिंह पत्नी स्व0 रविन्द्र सिंह जाति क्षत्रिय निवासी शीतला वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की मोहल्ला शीतला वार्ड नगर अम्बिकापुर, शीट नम्बर-9 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3286/5 रकबा 0.03 एकड़ भूमि को निजी कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30/09/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 11/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजुल अधिकारी सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0

रा.प्र.क्र. / अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

अगामी तिथि 25/9/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम-जनता /संस्था /विभाग एतद् द्वारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक नईम खलिफा आ0 अलीमान, निवासी मिश्रा गली पोस्ट सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर,छ0ग0 के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया गया है कि आवेदक के नाम पर नगर सूरजपुर में नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1976/6, 1978/7 कुल रकबा 875 वर्गफीट स्थित है। जबकि मौके पर खसरा नम्बर 1978 से ही 875 वर्गफीट हो रहा है। जिसमें खसरा नम्बर 1976 से कोई वास्ता नहीं है। जॉच कराकर सुधार कराये जाने का अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन लंबित है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था /विभाग को कोई दावा /आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक - 25/9/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर अपना दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 10/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजुल अधिकारी सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

ईश्तहार रा.प्र.क./अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्रामीण जन ग्राम-देवीपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राकेश कुमार अग्रवाल आ0 विष्णुराम अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर,छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम-देवीपुर, प0ह0नं0 13, रा0नि0मं0 पचिरा, तहसील सूजरपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 130/5 रकबा 0.0115 हे0 भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएवं इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 18/09/2024 को न्यायलयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/09/2024 न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

ईश्तहार रा.प्र.क./अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्रामीण जन ग्राम-तिलसिवां को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्री भीखम सिंह आ0 श्री बालसाय व श्री सोमार साय आ0 श्री वीरसाय, दोनों जाति गोंड़, निवासी ग्राम तिलसिवां, तहसील व जिला सूरजपुर,छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम तिलसिवां, प0ह0नं0 07, रा0नि0मं0 बसदेई, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा 433 रकबा 0.061 रकबा 0.024 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएवं इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 18/09/2024 को न्यायलयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 05/09/2024 न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202409020700011

विषयः-ब-121,मामले की श्रेणीः-राजस्व,सन् 2023-24

सोनपुर खुर्द प.ह.न.-00029(हे.)

पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-प्रेमसाय मरकाम
अनावेदक पक्षकार -छ0ग0शासन

-:: ईश्तहार ::-

आवेदक प्रेमसाय मरकाम पिता सुखन राम जाति गोंड़ निवासी ग्राम सोनपुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा(छ0ग0) के द्वारा ग्राम सोनपुरखुर्द स्थित कुल खसरा नंबर 15 कुल रकबा 2.371 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27.09.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/09/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202409020700070

विषयः-ब-121,मामले की श्रेणीः-राजस्व,सन् 2023-24

मणीपुर प.ह.न.-00022(हे.)

पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-सुनैना प्रजापति
अनावेदक पक्षकार -छ0ग0 शासन

-:: ईश्तहार ::-

आवेदिका सुनैना प्रजापति आ0 स्व0 विश्वनाथ निवासी मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा(छ0ग0) के द्वारा अपनी माता स्व0 श्यामापति जो कार्यालय कार्यपालन अभियंता,लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग जशपुर जिला जशपुर में माली के पद पर कार्यरत थी, जिसकी मृत्यु दिनांक 04.06.2023 को हो जाने के कारण उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अपर कलेक्टर अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो जांच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 04.10.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/09/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202409020700037

विषयः-अ-6,मामले की श्रेणीः-राजस्व,सन् 2023-24

मणीपुर प.ह.न.-00022(हे.)

पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-विनती तिग्गा
अनावेदक पक्षकार -पुना आ0 चमरू दइया बे चमरू गुडी पुत्री चमरू राजाराम

-:: ईश्तहार ::-

आवेदिका विनती तिग्गा पत्नी परशुराम तिग्गा आ0 स्व0 देवशरण व अन्य निवासी हाल मुकाम ग्राम मानपुर तहसील प्रतापपुर ,जिला सूरजपुर छ0ग0 मूल निवासी मणीपुर, भाथुपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा(छ0ग0) के द्वारा ग्राम मणीपुर स्थित खसरा नंबर 8,132, 135, 136, 137 कुल खसरा नंबर 5 कुल रकबा 1.750 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी स्व0 देवशरण का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30.09.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/09/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202409020700016

विषयः-ब-121,मामले की श्रेणीः-राजस्व,सन् 2023-24

फुन्दुरडिहारी प.ह.न.-00016(हे.)

पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-रामसखी
अनावेदक पक्षकार -संध्या सोनी

-:: ईश्तहार ::-

आवेदिका रामसखी पति स्व0 पुरूषोत्तम यादव निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 194/57 रकबा 0.020 हे0 एवं खसरा नंबर 194/58 रकबा 0.020 हे0 भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया गया था जिसमें से भूमि खसरा नंबर 194/57 रकबा 0.020 हे0 भूमि को विक्रय कर दिया गया है तथा खसरा नंबर 194/58 रकबा 0.020 हे0 भूमि पर काबिज काश्त होकर मकान बाड़ी बनाकर निवासरत है। आवेदिका के स्वत्व की भूमि खसरा नंबर 194/58 रकबा 0.020 हे0 भूमि त्रुटिवश अनावेदिका संध्या सोनी पति उदय कुमार सोनी के नाम दर्ज हो गया है जिसे सुधार करते हुए आवेदिका के नाम पर दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27.09.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/09/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

CMYK

हॉकी मैच में भारत ने पाकिस्तान को रौंदा

चैंपियंस ट्रॉफी में दर्ज की लगातार 5वीं जीत

भारतीय हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में शानदार प्रदर्शन लगातार जारी देखने को मिल रहा है, जिसमें उन्होंने अपने 8 साल से चले आ रहे अजेय रथ को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भी जारी रखते हुए 2-1 से उसे मात दी...

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2024। भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में लीग स्टेज के अपने 5वें मुकाबले में पाकिस्तान को 2-1 से मात देते हुए शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम इंडिया का इस टूर्नामेंट में पिछले 8 सालों से चला रहा अजेय अभियान भी जारी रहा। भारत की तरफ से इस मैच में दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह की स्टिक से देखने को मिले। लीग स्टेज में भारत का इस टूर्नामेंट में ये आखिरी मुकाबला था जिसमें उन्होंने सभी को अपने नाम किया है।

पाकिस्तान ने किया मैच में पहला गोल,भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कराई वापसी

इस मुकाबले को लेकर बात की जाए तो पाकिस्तान टीम की तरफ से नदीम अहमद ने 8वें मिनट में फील्ड गोल करने के साथ अपनी टीम को मुकाबले में 1-0 से बढ़त दिला दी थी। इस टूर्नामेंट में भारत पहली बार किसी मुकाबले में 1-0 से पीछे हुआ था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों की तरफ से आक्रामक खेल देखने को मिला और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पहला क्वार्टर खत्म होने से पहले मिले एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए मुकाबले को बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया था। वहीं दूसरे क्वार्टर की शुरुआत होने के साथ भारतीय टीम को खेल के चौथे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर मिल गया और इस बार भी सरपंच साहब कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल करते हुए भारतीय टीम को मुकाबले में 2-1 से बढ़त दिला दी। यहां से फिर तीसरे और चौथे क्वार्टर में दोनों ही टीमों ने गोल करने के कई प्रयास तो किए लेकिन वह सफल नहीं रहे और अंत में भारत ने इस मुकाबले को अपने नाम किया।

भारत ने साल 2016 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ नहीं गंवाया एक भी मुकाबला

हॉकी में भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी बार साल 2016 के साउथ एशियन गेम्स के फाइनल मुकाबले में मात मिली थी उसके बाद से अब तक दोनों टीमों के बीच हुए 17 मैचों में से 15 को भारतीय हॉकी टीम अपने नाम करने में कामयाब रही है, जबकि दो मैच ड्रॉ पर खत्म हुए। वहीं इस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम ने अपने सभी लीग मुकाबलों में जीत हासिल करने के साथ प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह को पक्का कर लिया है।

टीम इंडिया का गेंदबाजी कोच बनना मेरे लिए खास पल

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2024। भारतीय पुरुष टीम के गेंदबाजी कोच बनने के बाद मोर्ने मोर्कल ने अपने पिता के साथ हुई बातचीत के बारे में खुलकर बात की। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने बांग्लादेश टेस्ट से पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। टीम इंडिया के साथ मोर्ने मोर्कल भी बतौर गेंदबाजी कोच जुड़ चुके हैं। मोर्ने मोर्कल, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर एक सितंबर को अपना पद संभाला था, ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी स्टाफ में शामिल होने पर अपनी खुशी और सम्मान की भावना भी साझा की, जो उनकी कोचिंग यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। इस पूर्व तेज गेंदबाज का दक्षिण अफ्रीका के साथ 2006 से 2018 तक 12 साल का प्रभावशाली करियर रहा, जिसमें उन्होंने सभी प्रारूपों में 247 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 544 विकेट लिए।
भारतीय टीम के साथ उनका पहला काम बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी, जो 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होगी।
टेस्ट सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां भारत स्टैंडिंग में शीर्ष पर है जबकि बांग्लादेश पाकिस्तान में 2-0 की शानदार सीरीज जीत के बाद चौथे स्थान पर है।
बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में अफ्रीकी तेज गेंदबाज ने कहा, जब मैंने कॉल खत्म की, तो मैं कमरे में लगभग पांच मिनट तक इस पर विचार करता रहा और फिर मैंने सबसे पहले अपने पिता को फोन किया। मैं अपनी पत्नी के पास भी नहीं गया। आप जानते हैं, आम तौर पर वे कहते हैं कि पहले अपनी पत्नी के पास जाओ, लेकिन मैंने अपने पिता से बात की।
मोर्ने मोर्कल ने बताया कि उनके लिए, यह नियुक्ति उनके लिए न केवल एक प्रोफेशनल अचीवमेंट, बल्कि अपने परिवार के साथ साझा गर्व का क्षण है।

संक्षिप्त खेल की खबरें

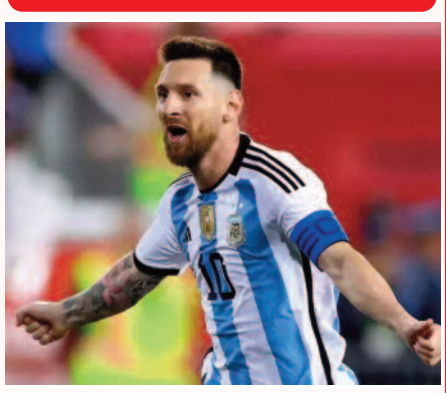

इंटर मियामी के लिए जल्द कमबैक करेंगे मेसी

वाशिंगटन,14 सितम्बर 2024। लियोनल मेसी चोट के कारण दो महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहने के बाद इस हफ्ते इंटर मियामी के लिए मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं।
37 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान ने जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर एल्बीसेलेस्टे की 1-0 की जीत के दौरान टखने के लिगामेंट में चोट लगने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है।
रिपोर्ट के अनुसार, वह प्रशिक्षण पर लौट आए हैं और पूरी उम्मीद है कि वे शनिवार को इंटर मियामी के घरेलू मुकाबले के लिए उपलब्ध रहे।
इंटर मियामी के मैनेजर गेरार्डो मार्टिनो ने शुक्रवार को बताया, हां, वह ठीक हैं। उसने गुरुवार को प्रशिक्षण लिया और वह मैच के लिए हमारी योजनाओं में है। आज प्रशिक्षण के बाद हम उसके लिए रणनीति के बारे में सोचेंगे, लेकिन वह उपलब्ध है।

दलीप ट्रॉफी में चला मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी का जादू

आईपीएल के 4 महीने बाद ठोका धमाकेदार शतक

अनंतपुर,14 सितम्बर 2024। दलीप ट्रॉफी में दूसरे दौर के मैच खेले जा रहे हैं। इस दौरान बल्लेबाजों के बल्ले से बड़ी पारी निकल रही हैं। अनंतपुर में इंडिया ए और इंडिया डी के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में तीसरे दिन इंडिया ए के सलामी बल्लेबाज प्रथम सिंह ने शानदार शतक जड़ा और फिर उन्हीं के नक्शेकदम पर चलते हुए मुंबई इंडियंस के धाकड़ बल्लेबाज ने भी धमाका कर दिया। ये बल्लेबाज और कोई नहीं तिलक वर्मा हैं जो आईपीएल 2024 के बाद दलीप ट्रॉफी में खेलने उतरे लेकिन पहली पारी में फ्लॉप हो गए।
पहली पारी में तिलक सिर्फ 33 गेंद ही खेल पाए और महज 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तिलक आईपीएल 2024 के बाद करीब 4 महीने तक मैदान से दूर रहे और फिर दलीप ट्रॉफी में वापसी करते हुए पहली पारी में फ्लॉप रहे। इस तरह इंडिया ए टीम ने पहली पारी में 8 विकेट खोकर 288 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में इंडिया डी महज 183 रनों पर ढेर हो गई।

तिलक वर्मा ने ठोका शानदार शतक

इसके बाद इंडिया ए ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक स्कोरबोर्ड पर 115/1 रन का स्कोर लगा दिया था। तीसरे दिन प्रथम सिंह का साथ देने के लिए नए बल्लेबाज के रुप में तिलक वर्मा आए और इस तरह दोनों ने इंडिया ए स्कोर को आगे बढ़ाना चालू किया। प्रथम ने दूसरे ही दिन अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था तो उन्हें तीसरे दिन शतक पूरा करने में ज्यादा देर नहीं लगी। इस बीच तिलक वर्मा भी धीरे-धीरे अपने खाते में रन जोड़ने लगे।
इंडिया ए को 219 रन के स्कोर पर प्रथम के रुप में दूसरा बड़ा झटका लगा। इसके बाद रियान पराग भी सस्ते में आउट होकर चले गए। एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद तिलक वर्मा ने रन बटोरने का काम जारी रखा और फिर 94वें ओवर में धमाकेदार शतक जड़ दिया। इस तरह तिलक वर्मा ने 177 गेंदों पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना 5वां सैकड़ा जड़ा। बता दें, तिलक वर्मा आईपीएल में 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं।

सीरीज में टीम इंडिया के लिए खतरा बन सकता है मुशफिकुर रहीम

भारत के खिलाफ खतरनाक रिकॉर्ड रहा है मुशफिकुर का

चेन्नई,14 सितम्बर 2024। भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। पहला टेस्ट मैच चेन्नई में खेला जाएगा और फिर दूसरा टेस्ट मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में होग। इस सीरीज में भारतीय टीम मेहमान टीम को हल्के में लेने की गलती नहीं करना चाहेगी क्योंकि हाल ही में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को उसी के घर में 2-0 से टेस्ट सीरीज हराकर नया इतिहास रचा था। इस दौरे पर बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत में अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम का अहम योगदान रहा। रहीम ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में 191 रनों की शानदार पारी खेलते हुए अपनी टीम को 10 विकेट से बड़ी जीत दिलाई थी।

भारत के लिए बड़ा खतरा

पाकिस्तान सीरीज में जीत के बाद अब बांग्लादेश मेजबान भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उतरने के लिए तैयार है। इस सीरीज में एक बार फिर मुश्फिकुर रहीम पर निगाहें होंगी जिनका भारत के खिलाफ प्रदर्शन कुछ ज्यादा ही शानदार है। रहीम ने भारत के खिलाफ 8 टेस्ट मैच खेले हैं जिनकी 15 पारियों 43.14 के शानदार औसत से 604 रन बनाए हैं। इसमें उनके बल्ले से 2 शतक और 2 अर्धशतक निकले हैं। यही नहीं, भारतीय सरजमीं पर भी उनका प्रदर्शन कमाल का है। उन्होंने भारत में 3 टेस्ट मैच खेले हैं और 6 पारियों में 55.16 के औसत से 331 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 1 शतक और 2 अर्धशतक जड़े हैं। 127 रन उनका बेस्ट स्कोर है।
मुश्फिकुर रहीम मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज हैं और जब एक बार क्रीज पर जम जाते हैं तो किसी भी गेंदबाज के लिए उन्हें आउट करना मुश्किल हो जाता है। आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हम ये देख चुके हैं। रावलपिंडी में खेले गए टेस्ट में पाकिस्तानी गेंदबाजों के लिए रहीम को आउट करना मुश्किल हो गया था। यही वजह है कि भारत को इस बल्लेबाज से बचके रहना होगा।
बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए **भारतीय टीमः-** रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन,रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल।
भारत दौरे के लिए बांग्लादेश टीमः- नजमुल शांतो (कप्तान), शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी मिराज, जैकर अली अनिक, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, नाहिद राणा, तैजुल इस्लाम, महमूदुल हसन जॉय, नईम हसन, खालिद अहमद]

अल्काराज,बतिस्ता का शानदार प्रदर्शन,डेविस कप फाइनल चरण में स्पेन

मैड्रिड,14 सितम्बर 2024। कार्लोस अल्काराज और रॉबर्टो बतिस्ता ने वेलेंसिया में फ्रांस के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने एकल मैच जीते। इसी के साथ स्पेन ने डेविस कप के अंतिम चरण में अपनी जगह पक्की भी की।
अल्काराज ने दमदार प्रदर्शन करते हुए उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-3 से हराया और अब उसका रविवार को ऑस्ट्रेलिया के साथ मुकाबला होगा। हम्बर्ट ने विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ आक्रामक होने की कोशिश की, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने, अल्काराज हावी दिखे।
बतिस्ता ने स्पेन को विजयी शुरुआत दिलाई, हालांकि स्थानीय खिलाड़ी को एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करनी पड़ी और दूसरे सेट में ब्रेक डाउन के बाद उन्होंने आर्थर फिल्स को तीन घंटे से भी कम समय में 2-6, 7-5, 6-3 से हराया।
पहला सेट हारने के बाद, दूसरे सेट में 5-3 से पिछड़ने के बाद बतिस्ता हार की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने वापसी की और फिर तीसरे सेट में जीत दर्ज की।डेविस कप का अंतिम चरण 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के शहर मलागा में खेला जाएगा।

सलामी बल्लेबाज मैथ्यु शॉर्ट का अनोखा कारनामा

गेंद से रचा इतिहास,टी 20 आई में ऐसा करने वाला बना पहला खिलाड़ी

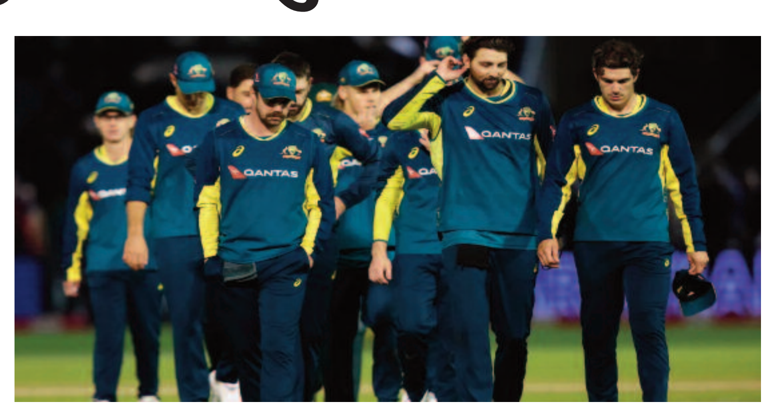

लंदन,14 सितम्बर 2024। पहले टी20आई में जीत दर्ज करने के बाद ऑस्ट्रेलिया दूसरे टी20आई में अपने शानदार प्रदर्शन को बरकरार नहीं रख सकी। कार्डिफ में खेले गए इस रोमांचक मुकाबलें में ऑस्ट्रेलिया को मेजबान इंग्लैंड ने 3 विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के अर्धशतक और जोश इंग्लिश के 42 रनों की पारी की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 193 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में इंग्लैंड ने लियाम लिविंगस्टोन की तूफानी पारी की मदद से 19 ओवर में 7 विकेट खोकर 194 रनों का टारगेट हासिल कर लिया। लियाम ने 47 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 87 रनों की पारी खेली। इस तरह इंग्लैंड की टीम सीरीज में दमदार वापसी करने में सफल रही। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया भले ही हार गई लेकिन उससे सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने गेंदबाजी में नया कीर्तिमान रच दिया।

महाफ्लॉप फिल्म को टीवी ने बना दिया मिट्टी से सोना

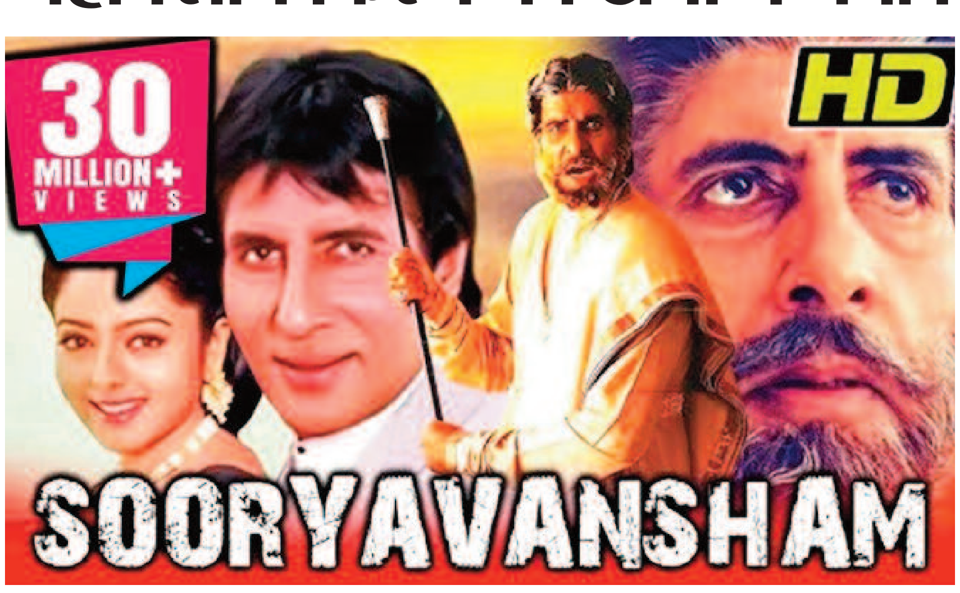

13 एक्टर्स ने ठुकराई थी कहानी,फिर अमिताभ बच्चन बने संकटमोचन

टीवी पर सबसे ज्यादा बार देखी जाने वाली फिल्मों का नाम लिया जाएगा तो सूर्यवंशम पूरी लिस्ट में सबसे ऊपर आएगी। टीवी चैनल सेटमैक्स पर अक्सर ही सूर्यवंशम आती देखी जा सकती है। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि ये फिल्म सिनेमाघरों में कोई खास कमाल नहीं कर पाई थी। बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप ये फिल्म टीवी पर आकर सुपरहिट साबित हुई। टीवी ने ही इस फिल्म को मिट्टी से सोना बना दिया। खास बात ये है कि अमिताभ बच्चन से पहले इस फिल्म को 13 एक्टर्स ने ठुकरा दिया था। बाद में अमिताभ बच्चन ने इस फिल्म में डबल रोल किया और इस फिल्म का भविष्य बदल दिया।

सिनेमाघरों में औंधे मुंह गिरी थी ये फिल्म

साउथ फिल्मों के दिग्गज डायरेक्टर ईईवी सत्यनारायण की ये फिल्म 21 मई 1999 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 7 करोड़ रुपयों के बजट से बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में कोई खास कमाल नहीं दिखाया था। ये फिल्म रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी। फिल्म ने भारत में महज 11 करोड़ रुपये कमाए थे और वर्ल्ड वाइड कमाई 12 करोड़ के करीब रही थी। लेकिन जब ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिट गई तो टीवी पर रिलीज की गई। जिस साल ये फिल्म रिलीज हुई थी, उसी साल सेटमैक्स नाम का टीवी चैनल लॉन्च हुआ था। इस टीवी चैनल ने इस फिल्म के 100 साल के राइट्स खरीद लिए। इसके बाद चैनल ने इस फिल्म के सेटमैक्स पर चलाना शुरू किया। फिल्म को लोगों ने टीवी पर खूब प्यार दिया और फ्लॉप से लाकर हिट फिल्मों की सूची में खड़ा कर दिया।

13 एक्टर्स ने ठुकराई थी फिल्म

बता दें कि सूर्यवंशम फिल्म में अमिताभ बच्चन ने डबल रोल किया था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था। लेकिन डायरेक्टर की पहली पसंद अमिताभ बच्चन नहीं थे। डायरेक्टर ईईवी सत्यनारायण ने अपने इंटरव्यू में इसका खुलासा किया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि इस फिल्म को सबसे पहले बॉलीवुड के दूसरे एक्टर्स को ऑफर की गई थी। फिल्म को सबसे पहले गोविंदा के पास ले जाया गया था। लेकिन डेट्स के चलते गोविंदा ने इस फिल्म को मना कर दिया। इसके बाद मिथुन चक्रबर्ती, अजय देवगन, सुनील शेट्टी, सैफ अली खान समेत कुल 13 एक्टर्स के पास इस फिल्म का ऑफर भेजा गया। लेकिन डबल रोल के चलते एक्टर्स ने इस फिल्म को ठुकरा दिया। फिर अमिताभ बच्चन ने इसकी कमान संभाली और इतिहास बना दिया।

उसे मेरी सुनने की जरूरत नहीं

बेटे इब्राहिम को लेकर सैफ अली खान ने क्यों कही ये बात?

सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म देवरा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड स्टार एक बार फिर विलेन की भूमिका में नजर आएंगे और साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर से पंगा लेते दिखाई देंगे। देवरा में सैफ अली खान और जूनियर एनटीआर के साथ ही जाह्नवी कपूर भी नजर आएंगी। ये जाह्नवी की पहली दक्षिण भारतीय फिल्म है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, ऐसे में फिल्म की पूरी कास्ट जोरों-शोरों से फिल्म के प्रमोशन में जुटी है।

देवरा के प्रमोशन में जुटे जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान

देवराः पार्ट 1 के प्रमोशन करते फिल्म की पूरी टीम कपिल शर्मा के मोस्ट अवेटेड शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आएगी। हाल ही में शो के निर्माताओं ने शो के दूसरे सीजन के पहले एपिसोड का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया, जिससे पता चलता है कि शो के पहले गेस्ट देवरा और जिगरा के स्टार होंगे। गेस्ट लिस्ट में आलिया भट्ट, करण जौहर, जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान, जान्हवी कपूर और रोहित शर्मा जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

क्या सैफ अली खान की सुनते हैं इब्राहिम अली खान?

ट्रेलर के आखिरी में कपिल शर्मा को सैफ अली खान से बात करते देखा जा सकता है। इस दौरान वह सैफ अली खान से कहते हैं - पहले हमारे शो में आमिर खान आए थे और उन्होंने कहा था कि मेरे बच्चे मेरी नहीं सुनते। अब आपके बेटे इब्राहिम अपना बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, वो आपकी सुनते हैं क्या? इसके जवाब में सैफ अली खान ने जो कहा वह सुनकर शो में मौजूद हर सितारा हैरान रह गया और जोर-जोर से हंसने लगा।

कपिल शर्मा के सवाल पर सैफ अली खान का जवाब

सैफ अली खान मजाकिया अंदाज में कहते हैं- मुझे लगता है कि उसे आमिर खान की सुननी चाहिए। द ग्रेट इंडियन कपिल शो की बात करें तो शो के दूसरे सीजन का पहला एपिसोड 21 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। कपिल शर्मा के शो के इस सीज़न में कुछ रोमांचक नए किरदारों के साथ फैंस के पसंदीदा कपिल शर्मा, कीकू शारदा, सुनील ग्रोवर, राजीव ठाकुर और अर्चना पूरन सिंह की वापसी होगी।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

हटाए गए मुंगेली के एसपी गिरिजा जायसवाल

भोजराम पटेल को दी गई जिले की जिम्मेदारी

रायपुर,14 सितम्बर 2024(ए)। मुंगेली के एसपी गिरिजाशंकर जायसवाल को हटाने का आदेश जारी किया गया है। भोजराम पटेल यहां के नये पुलिस अधीक्षक होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक दिन पहले ही एसपी कांफ्रेंस लिया था। इसके अगले ही दिन राज्य सरकार ने गिरिजा शंकर जायसवाल को हटाया है। गिरिजाशंकर जायसवाल को पुलिस मुख्यालय में पदस्थ किया गया है। उनके स्थान पर भोजराम पटेल को बीजापुर बटालियन से मुंगेली के नए एसपी की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

भाजपा विधायक संपत अग्रवाल को आया हार्ट अटैक

» गंभीर हालत में अस्पताल में कराया गया भर्ती

महासमुंद,14 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद के बसना विधानसभा से बीजेपी विधायक संपत अग्रवाल को हार्ट अटैक आया है। बताया जा रहा है कि उन्हें बालाजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक संपत अग्रवाल का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ जाने पर उन्हें देर रात मोवा (रायपुर) स्थित श्री बालाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अस्पताल प्रबंधन से जारी मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक उन्हें हल्का हार्ट अटैक आया है।

शुक्रवार की रात उन्हें बसना अग्रवाल नर्सिंग होम में भर्ती किया गया था. इसके बाद संपत अग्रवाल का इलाज बालाजी अस्पताल के डॉ. देवेंद्र नायक और उनकी टीम की निगरानी में किया जा रहा है।

हवलदार ने खुद को मारी गोली

तीन महीने में पांचवीं घटना ने बढ़ाई चिंता

रायपुर,14 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एक और दुखद घटना सामने आई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान ने अपनी सर्विस रायफल से आत्महत्या कर ली, जिससे राज्य में सुरक्षाबलों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर चिंता और गहरा गई है।शनिवार सुबह सुकमा जिले के गादीरास गांव में स्थित सीआरपीएफ के 226वीं बटालियन के शिविर में हवलदार विपुल भूयान (44) ने अपनी सर्विस एके-47 रायफल से खुद को गोली मार ली। घटना के समय वह शिविर के शौचालय में थे। गोली की आवाज सुनकर जब उनके साथी पहुंचे, तो उन्हें खून से लथपथ पाया गया। असम निवासी भूयान कुछ ही दिन पहले अपनी छुट्टी से लौटे थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है, और मौके पर कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

नगरीय निकायों में आज से चलेगा स्वच्छता ही सेवा अभियान

1 अक्टूबर को समापन,स्वभाव स्वच्छता-संस्कार थीम पर होंगे आयोजन

रायपुर,14 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के सभी नगरीय निकायों में 14 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान नगरीय निकायों में स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएंगी।नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी नगरीय निकायों को जारी परिपत्र में कहा है कि भारत सरकार द्वारा हर वर्ष 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत सरकार द्वारा इस मौके पर 14 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाड़ा के आयोजन के निर्देश दिए गए हैं।

अब हिन्दी में भी होगी मेडिकल की पढ़ाई

» हिंदी दिवस पर सीएम साय की घोषणा...

» अब हिंदी में शुरू होगी चिकित्सा शिक्षा...

» 2024-25 सत्र से ही पाठ्यक्रमों में लागू

रायपुर,14 सितम्बर 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हिन्दी दिवस पर बड़ी घोषणा करते हुए राज्य के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में हिन्दी में भी पढ़ाई शुरू करने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में पत्रकारों से बात करते हुए इसकी घोषणा की।

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि एमबीबीएस की पढ़ाई की व्यवस्था भी हम हिंदी में करेंगे।इस साल के प्रथम सत्र 2024-25 में एमबीबीएस की पढ़ाई की सुविधा हिंदी में भी उपलब्ध होगी। इसके लिए छात्र छात्राओं की संख्या अनुरूप आवश्यक पुस्तक उपलब्ध कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए हैं।

हिंदी को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी दिवस की सार्थकता इस बात में है कि हम शासन प्रशासन और शिक्षा के हर स्तर पर हिंदी को लागू करें, हिंदी को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा हमें इस बात की खुशी है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2022 को उत्तरप्रदेश के उन्नाव की रैली में हिंदी में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने की मंशा जाहिर की थी, हम उसका क्रियान्वयन करने जा रहे हैं।

राज्य में 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में राज्य में 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय हैं। हिंदी में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने का सबसे अधिक लाभ हमारे ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को होगा जो अधिकतर हिंदी मीडियम से होते हैं जो प्रतिभाशाली होते हैं लेकिन अंग्रेजी की वजह से उन्हें चिकित्सा पाठ्यक्रम में कुछ दिक्कत आती है।

अब यह दिक्कत दूर हो जाएगी। इससे चिकित्सा छात्र छात्राओं का आधार भी मजबूत होगा और अच्छे चिकित्सक तैयार करने में इससे अधिक मदद मिलेगी। मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने का यह सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इससे विषय की बारीक समझ बनती है। इसे हम छत्तीसगढ़ में हर स्तर पर कार्यान्वित करने के लिए कृत संकल्पित हैं।

बिलासपुर सेंट जेवियर्स स्कूल की चार ब्रांच फर्जी...

» पालकों को लूट रहा सेंट जेवियर्स प्रबंधन...

» गलत रिपोर्ट देने से इनकार करने पर डीईओ ने तीसरी बार बदली जांच कमेटी...

» 20 सितंबर तक जांच रिपोर्ट देने का जारी किया आदेश...

पालकों को लूट रहा सेंट जेवियर्स प्रबंधन...

एनएसयूआई के प्रदेश सचिव रंजेश सिंह ने दो माह पहले डीईओ साहू को तीन बिंदुओं पर ज्ञापन दिया था। उन्होंने बताया था कि सीबीएसई बोर्ड ने जिले में सेंट जेवियर्स स्कूल संचालित करने के लिए सिर्फ दो स्थानों भरनी और व्यापार विहार में अनुमति दी है, लेकिन सेंट जेवियर्स स्कूल प्रबंधन द्वारा जबड़ापारा सरकंडा, उसलापुर, सिरगिट्टी और कोटा में फर्जी तरीके से सेंट जेवियर्स हाईस्कूल का संचालन किया जा रहा है, जहां वर्तमान में पालकों को धोखे में रखकर भारी संख्या में बच्चों को प्रवेश दिया जा रहा है। छात्र नेता रंजेश ने कहा कि इन चारों स्कूलों में स्टूडेंट्स के पालकों से मोटी फीस वसूली जा रही है। यहां हर साल एडमिशन फीस ली जाती है। इन चारों संस्थानों की आय व्यय का ब्यौरा छिपाया जा रहा है। इन स्कूलों में बोर्ड कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों को परीक्षा दिलाने के लिए भरनी स्थित मुख्य ब्रांच ले जाया जाता है। इन चारों जगहों पर जिला शिक्षा विभाग से सिर्फ नर्सरी से आठवीं तक स्कूल संचालित करने की अनुमति मिली हुई है, लेकिन इन स्थानों पर शिक्षा विभाग के नियम के अनुसार सुविधाएं तक नहीं है।

कोर्ट में परिवाद पेश लगाई जायेगी...

शिकायतकर्ता का कहना है कि बार-बार जांच कमेटी बदलने से यह समझ में आ रहा है कि डीईओ इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराना चाहते। वे जांच कमेटी बनाने का खेल खेलकर समय खींचना चाहता है, ताकि हम परेशान होकर यह मामला छोड़ दें, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम जबड़ापारा सरकंडा, कोटा, उसलापुर और सिरगिट् टी में संचालित सेंट जेवियर्स स्कूलों की जांच कराकर रहेंगे। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 20 सितंबर को अगर जांच रिपोर्ट नहीं दी गई तो वे जिला शिक्षा विभाग और सेंट जेवियर्स स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कोर्ट में परिवाद दायर करेंगे। दोनों पक्षों से कोर्ट में जवाब मांगा जाएगा।

जब मान्यता एक जगह से तो पुस्तकें अलग-अलग क्यों...

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जिले में संचालित सीबीएसई और सीजीबीएसई संस्थान द्वारा मान्यता प्राप्त लगभग सभी स्कूल संस्थान द्वारा अलग-अलग पब्लिकेशन की बुक का उपयोग किया जाता है, जिससे छात्र और पालक इन पुस्तकों को खरीदने के लिए बाध्य हो जाते हैं। ये बुक स्कूल या प्रबंधन द्वारा बताई गई शॉप से ही खरीदने की मजबूरी होती है। बुक्स की आड़ में स्कूल प्रबंधन द्वारा कमीशनखोरी की जाती है। एक जानकारी के अनुसार एनसीईआरटी प्रकाशन की कुछ क्लास की पुस्तकें महज 500 रुपए में मिल जाती हैं, जबकि इसी क्लास की प्राइवेट प्रकाशन की पुस्तकों की कीमत 2500 से 3000 रुपए होती है। अगर सभी संस्थान को एक माध्यम से मान्यता मिली हुई है तो फिर यहां बुक्स अलग-अलग क्यों चलाई जा रही है।छात्रनेता रंजेश ने कहा कि सभी प्राइवेट स्कूलों में उन्हीं पुस्तकों को चलाया जाए, जो पुस्तकें मुख्यमंत्री डीएवी स्कूल और स्वामी आत्मानंद स्कूलों में चल रही है।

बिलासपुर,14 सितम्बर 2024 (ए)। सेंट जेवियर्स ग्रूप के चार स्कूलों के फर्जी होने के दावे ने जिला शिक्षा विभाग की नींदें उड़ा दी हैं। इन स्कूलों को पाक-साफ बताने के लिए प्रबंधन ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रबंधन जांच कमेटी से हर कीमत पर क्लिन चीट चाहता है, लेकिन शिकायतकर्ता भी पूरे दस्तावेज के साथ स्कूल प्रबंधन को बेनकाब करने के लिए अड़े हुए हैं। यही वजह है कि छह माह में स्कूल की जांच पूरी नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि पालिटिकल प्रेशर में जिले के ओहदेदार अफसर जांच कमेटी पर लगातार गलत रिपोर्ट देने दबाव बना रहे हैं, लेकिन जांच कमेटी शामिल कोई भी अफसर अपनी कलम फंसाना नहीं चाहते। मनमाफिक रिपोर्ट नहीं मिलने पर डीईओ टीआर साहू ने तीसरी बार जांच कमेटी बदल दी है। इस बार जांच का जिम्मा नोडल अधिकारियों को दिया गया है। जांच कमेटी बदलने के खेल से शिकायतकर्ता भी नाराज चले हैं। इस बार उन्होंने डीईओ से लिखवा लिया है कि उन्हें 20 सितंबर तक चारों स्कूलों की सीबीएसई से एफिलेशन से संबंधित जांच रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

एनएसयूआई के प्रदेश सचिव रंजेश सिंह ने सेंट जेवियर्स ग्रुप द्वारा जबड़ापारा सरकंडा, उसलापुर, कोटा और सिरगिट्टी में सीबीएसई से बिना एफिलेशन के स्कूल चलाने का दावा पेश किया है। उन्होंने सीबीएसई से इन स्कूलों को एफिलेशन नहीं मिलने का प्रमाण भी पेश किया है। उनकी शिकायत पर पहली जांच कमेटी बनाई गई, जिसे एक माह बदल दिया गया। दूसरी बार सहायक संचालक पी दासरथी के नेतृत्व में चार सदस्यीय जांच कमेटी बनाई गई। यह कमेटी करीब डेढ़ माह तक मामले की जांच की, लेकिन रिपोर्ट तैयार नहीं की। शिकायतकर्ता का दावा है कि प्रबंधन से मिलीभगत कर डीईओ टीआर साहू फर्जी स्कूलों को सही साबित करने पर तूले हुए है। इसके लिए तरह-तरह हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। इसका सबूत एक बार फिर से जांच कमेटी बदलना है। लगातार

जांच कमेटी बदलने और रिपोर्ट पेश नहीं करने से यह तो साबित हो गया है कि स्कूल प्रबंधन को इन चारों स्कूलों को संचालित करने के लिए सीबीएसई से कोई एफिलेशन नहीं मिला है।

सरकार ने बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने का लिया निर्णय

रायपुर,14 सितम्बर 2024(ए)। केंद्र सरकार ने बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने का निर्णय लिया है। इस फैसले पर आभार जताते सीएम साय ने लिखा, कृषि और कृषक कल्याण के लिए समर्पित यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनकी सरकार ने अन्नदाता साथियों के हित में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। जिसमें सरकार ने बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने का निर्णय लिया है।

करोड़ों की ठगी करने वाले अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का हुआ भांडाफोड़

» दुबई में भी विड्रॉल की गई ठगी की रकम

राजनांदगांव,14 सितम्बर 2024(ए)। इन दिनों ठगों द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल कर लोगों को शेयर ट्रेडिंग में फायदे का लालच दिखाकर ठगी करने का काम जोरों पर चल रहा है। ऐसे ही एक गिरोह के झांसे में आकर राजनांदगांव के एक व्यवसायी ने साढ़े 3 करोड़ रूपये गवां दिए। भला हो जिले की पुलिस का जिसने सक्रियता दिखाते हुए साईबर फ्रॉड रिपोर्टिंग पोर्टल के जरिये ठगी के 57 लाख रूपये होल्ड करा दिए। बड़ी बात यह है कि ठगी की रकम दुबई में भी विड्रॉल कराइ गई है।वॉटसअप ऐप ग्रूप के माध्यम से संपर्क कर शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफा देने का लालच देकर धोखाधड़ी करने वाले इस अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के एक ठग को बसंतपुर पुलिस एवं साइबर सेल राजनांदगांव द्वारा गिरफ्तार किया गया।

फायदा पाने के चक्कर में बन गए शिकार

पुलिस के मुताबिक पीड़ित राहुल जैन ने 17 अगस्त 2024 को बसंतपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 6 अलग-अलग मोबाइल नंबरों के धारक द्वारा 8 विभिन्न बैंकों के खाते में वेबसाइट लिंक एवं आमंत्रण कोड भेजकर शेयर मार्केटिंग ट्रेडिंग एवं आईपीओ में अधिक मुनाफा का झूठा वादा कर कुल 3 करोड़ 40 लाख 95 हजार रुपए की ठगी की गई है। राहुल जैन को प्रारंभ में काल्पनिक मुनाफा दिखाया गया, जिसके चलते वह झांसे में आ गया।

कर्ज लेकर लगाई रकम

इस मामले में राजनांदगांव पुलिस द्वारा आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पता चला कि राहुल जैन ने अच्छा लाभ होता देख उधार में रकम लेकर कथित शेयर में लगा दिया। यह रकम बढ़कर 3 करोड़ 40 लाख रूपये तक जा पहुंची।

तत्काल सक्रिय हुई जिले की पुलिस

इस मामले की शिकायत पर राजनांदगांव जिले के बसंतपुर थाने में धारा 318(4), 3(5) बीएनएस एवं 66-डी आईटी एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक सत्यनारायण देवांगन एवं प्रभारी सायबर सेल विनय कुमार पम्मार के नेतृत्व में थाना बसंतपुर एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई करने का आदेश दिया गया।

राशनकार्ड नवीनीकरण की डेट फिर बढ़ी

अब 31 अक्टूबर 2024 तक करा सकते हैं अपडेट

रायपुर,14 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में राशन कार्डों के नवीनीकरण के लिए 31 अक्टूबर तक समय मिल गया है। पहले अंतिम तिथि 30 सितंबर तय थी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए तिथि एक माह आगे बढ़ाई गई है। 25 जनवरी से राशनकार्ड नवीनीकरण की प्रक्रिया जारी है।

प्रदेशभर में 76 लाख 83 हजार 426 कार्डधारी हैं। अभी भी चार लाख 65 हजार 797 राश्नकार्डों का नवीनीकरण नहीं हुआ है। 96.29 प्रतिशत कार्डधारियों ने सत्यापन करा लिया है। जिन राशनकार्डों का नवीनीकरण नहीं होता उन्हें निरस्त कर दिए जाएंगे। जिन्होंने आवेदन किया है उन्हें नया राशनकार्ड जारी किया जा रहा है।

रायपुर जिले में ही छह लाख 2,329 कार्डधारी हैं। इनमें से 86 हजार 194 कार्डधारियों ने अब तक नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं किया है। सत्यापन कार्य में ग्रामीण इलाके शहरी क्षेत्रों से पीछे हैं। रायपुर के ग्रामीण क्षेत्र में तीन लाख 14 हजार 416 और शहरी क्षेत्र में दो लाख

1,754 राशनकार्ड नवीनीकरण के आवेदन किए गए हैं।

नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन सुविधा

राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग ने एक एप जारी किया है, जिसके माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन राशनकार्ड के नवीनीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। नवीनीकरण एप को प्ले स्टोर से या खाद्य विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

खाद्य नियंत्रक रायपुर भूपेंद्र मिश्रा ने कहा, राशनकार्ड सत्यापन के लिए फिर से अवधि बढ़ाई गई है। शासन ने 31 अक्टूबर तक का समय कार्डधारियों को दिया है। जिन राशनकार्डों के नवीनीकरण का आवेदन नहीं मिलेगा उन्हें निरस्त किया जाएगा।

300 फीट की ऊंचाई पर लटकता मिला शव

बालोद,14 सितम्बर 2024 (ए)। बालोद जिले से बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है जहां पर दल्ली राजहरा थाना क्षेत्र के माइंस प्लांट एरिया में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जमीन से 300 फीट ऊपर माइंस प्लांट में झूल कर युवक ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उक्त युवक माइंस ठेकेदार के अंदर में काम करता था। फिलहाल जांच की जा रही है,वहीं उसके परिवार में उसकी मां जांजगीर चंपा गई हुई थी जिसे सूचना देकर अब बुलाया गया है। पुलिस द्वारा पंचनामा कार्यवाही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

3 नंबर माइंस क्षेत्र की घटना

आपको बता दें कि माइंस ठेका कर्मचारी लखेश्वर पटेल ने माइंस में ही अपनी जान दे दी लगभग 300 फीट की ऊंचाई पर लोहे की एंगल में फांसी का फंदा बनाकर मौत को गले लगा लिया पुलिस ने बताया

कि मृतक वार्ड नंबर 5 दल्लीराजहरा का रहने वाला है और दल्ली माइंस के 3 नम्बर माइंस क्षेत्र में फांसी लगाकर आत्महत्या किया गया है मौत का कारण अज्ञात है और पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। आपको बता दें कि जिस जगह पर वह काम करता था उसी जगह पर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है इस घटना के बाद पूरे माइंस के ठेका श्रमिकों में हड़कंप मचा हुआ है।

पोस्ट मॉडम के लिए भेजा शव

थाना प्रभारी सुनील तिर्की ने बताया कि जैसे ही हमें सूचना मिली हम मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया गया है। शव का पंचनामा कार्रवाई करने के बाद उसे पोस्टमार्टम करने के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि उसकी मां जो कि बाहर गई हुई थी उसका इंतजार किया जा रहा है और वह एक ठेका श्रमिक था आखिर उसने इस तरह का कम क्यों उठाया यह सभी जांच का विषय है। जांच के बाद ही कुछ कह पाएंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)